तापमान
अधिकतम 37.1 डिग्री
न्यूनतम 20.9 डिग्री

हरिभूमि
हिसार भूमि
रोहतक, रविवार, अगस्त 17, 2025

11 प्रोसेसिंग मटेरियल का उठान नहीं होने पर...

12 मोदी के नेतृत्व में देश ने आतंकवाद के खिलाफ...

खबर संक्षेप

नकदी व आभूषण चुराने के मामले में एक पकड़ा

हिसार। शहर थाना पुलिस ने राजगुरु मार्केट की पार्किंग में खड़ी गाड़ी से नकदी और आभूषण चोरी के मामले में आरोपी नरवाना जींद निवासी अजय उर्फ आजू को गिरफ्तार किया है। उप निरीक्षक मनमोहन सिंह ने बताया कि इस संबंध में शहर थाना में सेक्टर 9/11 निवासी महिला ने उनकी राजगुरु मार्केट की पार्किंग में खड़ी गाड़ी से नकदी और आभूषण चोरी होने के बारे में शिकायत दी थी। वह 8 अगस्त को पिता के साथ गाड़ी में राजगुरु मार्केट आई थी गाड़ी मार्किट की पार्किंग में खड़ी की। गाड़ी खुली रह गई और पर्स उसी में रह गया, जिसमें 5/6 हजार और सोने चांदी के आभूषण थे। जब वापस आए तो गाड़ी से नकदी और आभूषण गायब मिले। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया है। कोर्ट ने न्यायिक हिरासत में भेजा।

नई अनाज मंडी में चिकित्सा कैंप लगाया

हिसार। नई अनाज मंडी स्थित महाराजा अग्रसेन चैरिटेबल ट्रस्ट अस्पताल में निशुल्क चिकित्सा परामर्श व मुफ्त दवा वितरण कैंप लगाया गया। शिविर में लगभग 280 से अधिक लोगों ने विभिन्न बीमारियों की जांच करवाई। अस्पताल के प्रधान अनिल जैन ने बताया कि कैंप में शहर के सुप्रसिद्ध व अनुभवी चिकित्सकों डॉ. नितिन कौशिक, डॉ. साक्षी, डॉ. प्रिया पांडे, डॉ. मोनिका सिंगला, डॉ. उर्वी मित्तल, डॉ. अनूप गोयल, डॉ. पुनीत गोयल ने सामान्य रोग, दांत, शुगर, थायरायड, छाती, पेट, चर्म एवं गुप्त रोग, आंख, बच्चों व जोड़ों से संबंधित 280 रोगियों की जांच कर उन्हें उचित परामर्श देते हुए दवाईयां भी दी।

मंदिरों में झांकियां देखने के लिए श्रद्धालुओं की उमड़ी भीड़

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

जिलेभर में शनिवार को श्री कृष्ण जन्माष्टमी पर्व की धूम रही। मंदिरों को बड़े सुंदर ढंग से सजाया गया। मंदिर रंग-बिरंगी लाइटों से जगमग कर रहे थे। शाम होते ही शहर के मंदिरों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। शहर के मंदिर नंद के आनंदभयो, जय कन्हैया लाल की के उद्घोष से देर रात तक गुंजायमान रहे।

रात्रि ठीक 12 बजे राधा-कृष्ण की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई तथा भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव मनाया गया। इस मौके पर श्रद्धालुओं द्वारा मंदिरों में भजन-कीर्तन का आयोजन किया गया।इस बार देवी-देवताओं के अलावा भारतीय सेना के शौर्य को दिखाती झांकियां ने लोगों विशेषरूप से प्रभावित किया। कई मंदिरों में

■ रात्रि ठीक 12 बजे राधा कृष्ण की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई

ऑपरेशन सिंदूर की झांकी को भी दिखाया गयाथा। उधर, जन्माष्टमी के अवसर पर पुलिस अलर्ट दिखाई दी। मंदिरों में सादी वर्दी में पुलिस तैनात की गई थी। कई जगहों पर पुलिस द्वारा नाके भी लगाए गए थे। शहर में श्री हनुमान कुरुक्षेत्र सनातन धर्म मंदिर नागोरी गेट, लाहौरिया मंदिर, देवी भवन मंदिर, हनुमान मंदिर मोती बाजार, श्री प्रयागगिरी सनातन धर्म मंदिर, भारत माता मंदिर, मिलगेट स्थित मंदिर सिद्ध बाबा बालक नाथ एवं दुर्गामाता मंदिर, मोहल्ला सैनियान स्थित राधा-कृष्ण मंदिर, शीतल माता मंदिर, राजगुरु मार्केट स्थित सत्यनारायण मंदिर, बड़वाली ढाणी स्थित हनुमान मंदिर, शिव चौक स्थित शिव मंदिर, सेक्टर 16-17 स्थित रानी सती मंदिर, श्री श्याम मंदिर, सेक्टर-13 स्थित साईं मंदिर, कैंप चौक स्थित शनि मंदिर, अनाजमंडी स्थित सत्यनारायण शिव मंदिर सहित अन्य मंदिरों में झांकियों देखने के लिए श्रद्धालुओं की अच्छी-खासी भीड़ उमड़ी।

जिलेभर में धूमधाम से मनाया गया श्री कृष्ण जन्माष्टमी पर्व

नंद के आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की...

बच्चों की मनमोहक रासलीला ने जीता दिल

लाहौरिया धर्मार्थ ट्रस्ट द्वारा श्री श्याम मन्दिर व विद्यालय परिसर में मुख्य आकर्षक का केन्द्र छोटे-छोटे बच्चों द्वारा मनमोहक रासलीला, श्री राम द्वारा अहिल्या उद्धार, द्रौपदी स्वयंवर, संदीपनि मुनि के आश्रम में भगवान श्री कृष्ण शिक्षा प्राप्त करते हुए, मेरो वृंदावन (भगवान श्री कृष्ण माखन चुराते हुए, भगवान कृष्ण मटकी फोड़ते हुए, उपवन में राधा संग रास रचाते हुए, गौवर्धन पर्वत उठाते हुए) झांकीबनाई गई थी।

श्रीराम दरबार की झांकी रही विशेष आकर्षण

शहर के मध्य स्थित सिद्ध हनुमान मंदिर मंडल ट्रस्ट, मोती बाजार में मोहित एंड पार्टी द्वारा सजग पात्रों से सुंदर, मनोहारी एवं मन लुभावनी झांकियां तैयार की गई थी। इनमें राधा-कृष्ण नृत्य, भगवान शंकर-मां पार्वती नृत्य, सिंदूरी हनुमानजी का नृत्य, कारागार में वासुदेव-मां देवकी की श्रीकृष्ण जन्म की झांकी, झूले में श्रीकृष्ण-राधा रानी, श्री राम दरबार की झांकी, भगवान नरसिंह अवतार की मनमोहक झांकियां विशेष आकर्षण का केंद्र रही।

धर्म और देशभक्ति का दिखा अनोखा संगम

श्री हनुमान कुरुक्षेत्र सनातन धर्म मंदिर नागोरी गेट में अनुज शर्मा एवं बंगाल से आए हुए कुशल कारीगरों द्वारा निर्मित, भव्य व मनमोहक झांकियों द्वारा भगवान की विभिन्न लीलाओं का प्रदर्शन किया गया। इसअवसर पर गणेश जी की झांकी, शिव परिवार की अति सुंदर झांकी के साथ-साथ मंदिर हाल में भारत के स्वतंत्रता संग्राम वीर व निर्भिक सैनिक, भारत के गौरव व अभिमान के प्रतीक तथा निडरता और बलिदान की प्रतिमूर्ति क्रांतिकारी अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद, भगत सिंह, राजगुरु, सुखदेव, जतिन्द्र नाथ दास, खुदीराम बोस, राजेन्द्र लाहिड़ी, आदिवासी बिरसा मुंडा व रामप्रसाद बिस्मिल के साथ ही श्रृंगार युक्त झूले में लड्डू गोपाल व बाल रूप में कृष्ण, गौ माता की पूजा व बाल रूप कृष्ण द्वारा राक्षस बकासुर वध, भगवान भोलेनाथ का कृष्ण स्वरूप में श्रृंगार की झांकियों को प्रस्तुत की गई।

ब्लेकमेलिंग से परेशान होकर महिला ने की आत्महत्या

हिसार। सदर क्षेत्र के एक गांव में महिला ने ब्लेकमेलिंग से परेशान होकर आत्महत्या कर ली। इस संबंध में पुलिस ने मनरेगा मेट को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि मनरेगा मेट सुनील कुमार अश्लील वीडियो के नाम पर महिला को परेशान करता था। मृतका के पति ने इस संबंध में पुलिस को शिकायत दी थी। शिकायत में उसने कहा कि उसकी पत्नी मनरेगा में मजदूरी करती थी। मेट सुनील उनकी पत्नी का पीछा करता था। जब पति को इसकी जानकारी मिली तो उन्होंने पत्नी का काम पर जाना बंद करा दिया। इसके बाद सुनील उसकी पत्नी की अश्लील वीडियो वायरल करने की धमकी देने लगा। वह उसे जबरन संबंध बनाने के लिए मजबूर करता था। उसकी पत्नी ने फंदा लगाकर जान दे दी।

डीजे विवाद में पुलिस पर हमला करने के मामले में तीन गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

शहर के एचटीएम थाना क्षेत्र के भारत नगर में जन्मदिन पार्टी में डीजे बजाने के विवाद में पुलिस पार्टी पर हमला करने के मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस का कहना है कि तीनों आदतन अपराधी है और इन पर पहले भी कई मुकदमे दर्ज है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि डीजे बंद करवाने गई पुलिस पार्टी पर हमला करने के मामले में तीन आरोपी पकडे गए हैं। इनमें भगत सिंह नगर के हरीश उर्फ चंदू, ढाणी किशनदत्त निवासी शुभम उर्फ काकू व इसी क्षेत्र के शिव उर्फ घोड़ा शामिल है। तीनों आरोपियों पर पुलिस ने पिछले माह 8 जुलाई को पुलिस पार्टी पर हमला करने, चोटें मारने सहित विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया था। पुलिस के अनुसार पकड़े गए तीनों आरोपी आदतन अपराधी है और इन तीनों पर पहले भी कई केस दर्ज है। घटना के दिन ल जुलाई की रात को जब पुलिस डीजे बंद करवाने गई तो आरोपियों ने अपने साथियों के साथ मिलकर पुलिस कर्मचारियो पर जान से मारने की नीयत से बरछी गंडासों से हमला किया और मोबाइल फ़ोन छीन लिया था।

गोकुल धाम सेक्टर-1 को बदनाम करने की कोशिश

मालिक ने दर्ज कराई एफआईआर

हांसी। दिल्ली रोड पर स्थित गोकुल धाम सेक्टर-1 को लेकर सोशल मीडिया पर एक व्यक्ति द्वारा एआई जनरेटेड फर्जी वीडियो अपलोड की गई है। इस मामले में कॉलोनी मालिक कुलबीर सिंह अहलावत ने साइबर थाना पुलिस में शिकायत देकर एफआईआर दर्ज करवाई है। शिकायत में अहलावत ने आरोप लगाया कि वीडियो के जरिए उनकी कॉलोनी और उनके नाम प्रतिष्ठा को बदनाम करने की साजिश रची गई थी। हालांकि पुलिस द्वारा मामला दर्ज किए जाने के सोशल मीडिया पर अपलोड किया गया वीडियो हटा दिया गया है।

एआई से फर्जी वीडियो बना सोशल मीडिया पर किया वायरल

हांसी। पत्रकार वार्ता में मामले की जानकारी देते राजपाल यादव।

इस मामले को लेकर कॉलोनी में पार्टनर राजपाल यादव ने शनिवार को आयोजित प्रेस वार्ता में बड़ा खुलासा करते हुए कहा कि एआई से बनाई गई यह वीडियो पूरी तरह से फर्जी है और इसे तैयार कर फेसबुक पर अपलोड करने वाले जोगिंदर नामक व्यक्ति का नाम सामने आया है। पुलिस इस मामले में सभी पहलुओं पर अभी जांच कर रही है। उन्होंने बताया कि पुलिस की शुरुआती जांच में यह बात सामने आई है कि फेसबुक पर अपलोड की गई वीडियो को एडिट कर एआई टूल्स की मदद से तैयार किया गया, ताकि उसे असली दिखाया जा सके। पुलिस अब तकनीकी जांच कर यह पता लगाने में जुटी है कि इसके पीछे और कौन कौन लोग शामिल हैं। राजपाल यादव ने बताया कि उनकी गोकुलधाम सेक्टर -1 कालोनी दीनदयाल उपाध्याय आवास योजना के तहत रेरा से अप्रुरुवड है और वे 450 से अधिक लोगों की रजिस्ट्री करवा कर पोजीशन अलॉट कर चुके हैं और सैकड़ों लोगों ने वहां निर्माण कार्य शुरू कर दिए हैं।

■ एसआईपी के अलावा भी कुछ विकल्प दे सकते हैं बढ़िया मुनाफा | ■ मोटा पैसा कमाने के लिए आपको रणनीति बनाकर आगे बढ़ना होगा | ■ रिटायरमेंट, बच्चों की शिक्षा या घर के लिए एसआईपी पर्याप्त नहीं

करोड़पति बनना है तो आप जान लें निवेश के कुछ 'ब्लॉकबस्टर' टिप्स

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

आजकल ज्यादातर लोग, स्पेशली युवा, अपनी फाइनेंशियल प्लानिंग को पूरा करने के लिए सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) को अपना रहे हैं। एसआईपी शुरू करना फाइनेंशियल अनुशासन की दिशा में एक शानदार पहला कदम है, लेकिन, क्या केवल एसआईपी शुरू कर देना ही आने वाले कल के लिए काफी है? असल में लंबी अवधि के टारगेट जैसे रिटायरमेंट, बच्चों की शिक्षा या घर खरीदने के लिए, केवल एसआईपी करना पर्याप्त नहीं है। इसके लिए एक संपूर्ण और मजबूत प्लानिंग की आवश्यकता होती है। तो फिर आइए इस रिपोर्ट के जरिये जानते हैं निवेश के कुछ ब्लॉक बस्टर कदम जो आपको करोड़पति बनने में अहम भूमिका निभा सकते हैं और आपकों कम समय में ही अच्छा मुनाफा दिलवाने में सक्षम हैं।

फाइनेंशियल टारगेट को परिभाषित करें

एसआईपी तो बस एक निवेश का एक जरिया है, लेकिन टारगेट क्या है? सबसे पहले, आपको अपने सभी दीर्घकालिक लक्ष्यों को साफ रूप से परिभाषित करना चाहिए और एक गोल बनाकर आगे बढ़ना होगा।

- **लक्ष्यों को पहचानें :** क्या आपका टारगेट 10 साल में बच्चों की हाई एजूकेशन है, 20 साल में रिटायरमेंट है, या 5 साल में घर के लिए डाउन पेमेंट है?
- **लागत का अनुमान लगाएं :** हर टारगेट के लिए जरूरी राशि का अनुमान लगाएं. इसमें फ्यूचर की महंगाई को भी शामिल करें. उदाहरण के लिए, अगर आज बच्चों की इंजीनियरिंग की पढ़ाई पर 20 लाख रुपये खर्च होते हैं, तो 15 साल बाद महंगाई के साथ यह राशि कहीं अधिक होगी।
- **क्यों जरूरी :** जब आपको पता होगा कि आपको कब और कितने पैसे की जरूरत हो सकती है, तभी आप सही निवेश रणनीति बना पाएंगे।

पोर्टफोलियो को विविधतापूर्ण बनाएं

- एसआईपी तो इक्विटी में है, लेकिन क्या इतना काफी है? 'अपने सारे अंडे एक ही टोकरी में न रखें' यह निवेश का सबसे पुराना और सबसे अहम नियम है।
- **इक्विटी के अलावा निवेश करें :** हमेशा अपने पोर्टफोलियो में सिर्फ एसआईपी ही ना रखें। उसमें इक्विटी के साथ-साथ डेट और अन्य संपत्तियों का मिश्रण भी होना ही चाहिए।
- **विविधता के विकल्प :** आप अपनी रिस्क लेने की क्षमता अनुसार पब्लिक प्रॉविडेंट फंड (पीपीएफ), फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी), राष्ट्रीय पेंशन योजना (एनपीएस), और यहां तक कि सोना या रियल एस्टेट जैसे ऑप्शन में भी निवेश कर सकते हैं।
- **क्यों जरूरी :** यह आपके पोर्टफोलियो में स्थिरता ला सकता है। यानी कि यदि शेयर बाजार में गिरावट आती है, तो आपके दूसरे निवेश आपके पोर्टफोलियो को गिरने से बचाते हैं।

बीमा और आपातकालीन निधि बनाएं

- आपकी यात्रा की सुरक्षा कैसे होगी? यानी कि एक मजबूत फाइनेंशियल योजना की नींव सुरक्षा पर टिकी होती है। अगर आप बिना बीमा और इमरजेंसी के निवेश करते हैं, तो एक भी दुर्घटना आपकी पूरी योजना को ध्वस्त कर सकती है।
- **आपातकालीन निधि :** कम से कम 3 से 6 महीने के मासिक खर्चों के बराबर की राशि एक ऐसे खाते में रखें, जिसे आप आसानी से निकाल सकें। ये इमरजेंसी फंड नौकरी छूटने या मेडिकल इमरजेंसी जैसी स्थितियों में आपके एसआईपी को तोड़ने से बचाएगा।
- **पर्याप्त बीमा :** अपने परिवार को फाइनेंशियल रूप से सेफ रखने के लिए पर्याप्त लाइफ इंश्योरेंस (खासकर टर्म प्लान) और हेल्थ इंश्योरेंस जरूर लें।
- **क्यों जरूरी :** यह आपके लॉन्ग टर्म निवेश को अप्रत्याशित वित्तीय झटकों से बचाता है।

निवेश की राशि को बढ़ाएं

- आपकी इनकम तो बढ़ेगी, तो निवेश क्यों नहीं? जैसे-जैसे आपकी आय बढ़ती है, वैसे-वैसे आपके निवेश को भी बढ़ना चाहिए।
- **क्या करें :** हर साल अपनी एसआईपी की राशि को अपनी आय में हुई ग्रोथ के अनुसार 10-15% तक बढ़ाएं। इसे 'स्टेप-अप एसआईपी' कहा जाता है। ऐसा करने से निवेशक कम समय में अपने टारगेट तक पहुंच सकते हैं और महंगाई के प्रभाव को भी कम कर सकते हैं।
- **क्यों करें :** मुद्रास्फीति आपके पैसे की क्रय शक्ति को घटाती है। निवेश को बढ़ाकर आप यह तय करते हैं कि आपके लक्ष्य की वाकई में लागत कवर हो।

योजना की समय पर समीक्षा करें

- क्या आपकी गाड़ी सही रास्ते पर है? आपकी वित्तीय यात्रा एक सीधी रेखा नहीं है. इसमें कई मोड़ आते हैं।
- **क्या करें :** साल में आप कम से कम एक बार तो जरूर ही अपनी वित्तीय योजना और निवेश पोर्टफोलियो की समीक्षा करें। इसमें देखें कि क्या आपके निवेश आपके लक्ष्यों के अनुरूप प्रदर्शन कर रहे हैं या फिर नहीं। अगर आपके जीवन में कोई बड़ा बदलाव (जैसे शादी, बच्चा या नई नौकरी) आता है, तो अपनी योजना में जरूरी बदलाव करना चाहिए।
- **क्यों जरूरी :** समीक्षा करने से आप यह तय करते हैं कि आप हमेशा सही रास्ते पर हैं और अपने टारगेट को समय पर प्राप्त कर पाएंगे।

एसआईपी सिर्फ एक मंजिल

- अब आप समझ रहे होंगे कि एसआईपी शुरू करना एक बहुत अच्छी शुरुआत है, लेकिन यह मंजिल नहीं है। अपने लॉन्ग टर्म के फाइनेंशियल टारगेट को पाने के लिए एक पूरी प्लानिंग की जरूरत होती है, जिसमें लक्ष्य-आधारित इन्वेस्टमेंट, विविधीकरण, सुरक्षा और नियमित समीक्षा शामिल हो। ■

पत्नी के साथ मिलकर बनाएं कल की प्लानिंग

- 1, 2 नहीं इन 5 ऑप्शन को फॉलो करके फुल मौज में कटेगा बुढ़ापा
- रिटायरमेंट प्लानिंग केवल एक व्यक्ति नहीं, पूरे परिवार की जिम्मेदारी
- कपल मिलकर सही समय पर निवेश और फाइनेंशियल प्लान बनाएं

अपने भविष्य को सुरक्षित बनाने के लिए अपनी पत्नी के साथ मिलकर अच्छी प्लानिंग करें। इससे आपका बुढ़ापा मस्ती में कटेगा। कहा भी गया है कि रिटायरमेंट प्लानिंग एक व्यक्ति की नहीं, बल्की पूरे परिवार की साझा जिम्मेदारी है। आने वाले कल को सुरक्षित करने के लिए सही समय पर सही इन्वेस्टमेंट प्लानिंग की बहुत जरूरत होती है। यही कारण है कि समय रहते रिटायरमेंट की प्लानिंग करना भी बहुत जरूरी होता है। आज के समय में रिटायरमेंट प्लानिंग केवल एक व्यक्ति के लिए नहीं, बल्कि पूरे परिवार के लिए एक शेयर होने वाली जिम्मेदारी होती है, खासकर कपल के लिए। अब आप रिटायरमेंट के लिए अपनी पत्नी के मिलकर बेहतरीन प्लानिंग करें। वाइफ के साथ मिलकर प्लानिंग बनाने से आप शानदार फ्यूचर बना सकते हैं।

पत्नी के टारगेट पर चर्चा करें

सबसे पहला और सबसे जरूरी कदम होता है कि एक-दूसरे के साथ खुलकर बात करना चाहिए। यह प्लान करें कि रिटायरमेंट के बाद आप किस तरह की लाइफ को जीना चाहते हैं, जैसे कि क्या आप यात्रा करना चाहते हैं, कोई नया व्यवसाय शुरू करना चाहते हैं, या शांतिपूर्ण जीवन बिताना चाहते हैं? जब आप दोनों ये तय कर लेंगे तभी आप अच्छी बचत अपने आने वाले कल के लिए कर सकेंगे।

खर्चों का आकलन करें

रिटायरमेंट के बाद की लाइफ के लिए जरूरी मंथली खर्चों का अनुमान लगाना बहुत जरूरी होता है। इसमें घर का किराया या ईएमआई, खाने-पीने का खर्च, हेल्थ और मनोरंजन जैसे सभी खर्च शामिल करें। पार्टनर के साथ मिलकर एक ज्वाइंट बजट बनाएं जो आपकी फिलहाल की इनकम और खर्चों को पेश करता हो। यह आपको यह समझने में मदद करेगा कि आप कहां बचत कर सकते हैं और कहां अनावश्यक खर्चों में कटौती की जा सकती है।

बीमा स्कीम की समीक्षा करें

हर किसी के लिए एक सेफ रिटायरमेंट के लिए बीमा बहुत जरूरी होता है। अपनी हेल्थ बीमा पॉलिसियों की समीक्षा करें और तय करें कि वे रिटायरमेंट के बाद के चिकित्सा खर्चों को कवर करती हैं.आपकी बढ़ती उम्र के साथ मेडिकल खर्च भी बढ़ते हैं, तो इसलिए पर्याप्त कवरेज होना हर किसी के लिए बहुत जरूरी होता है।

टाइम टू टाइम समीक्षा करें

आपकी रिटायरमेंट योजना हमेशा एक ऐसी नहीं रह सकती है वो इसलिए जीवन में बदलाव आते रहते हैं, तो ऐसे में अपनी वित्तीय योजना की समय-समय पर समीक्षा करना जरूरी है और उसमें जरूरत के अनुसार बदलाव करना अहम होता है। हर साल या कुछ सालों में अपने निवेश, लक्ष्यों और बजट की समीक्षा करें ताकि आप सही रास्ते पर बने रहें। यानी कि ये कदम आपको और आपके जीवनसाथी को फाइनेंशियल स्थिरता और सुरक्षा के साथ-साथ एक आरामदायक और खुशहाल रिटायरमेंट के लिए तैयार करने में मदद कर सकते हैं। ■

आज ही बना लें मुश्किल वक्त के लिए 'एटीएम'

मुसीबत हम सभी की लाइफ में कब आ जाए हममें से कोई नहीं जानता है, लेकिन मुसीबत से पार पाने के लिए इमरजेंसी फंड का होना बहुत जरूरी होता है। असल में इमरजेंसी फंड एक ऐसी धनराशि होती है, जिसे आप किसी भी अप्रत्याशित खर्च या वित्तीय संकट के समय यूज करने के लिए अलग से रखते हैं। यह आपको अचानक आई परेशानियों, जैसे नौकरी छूटना, मेडिकल इमरजेंसी या घर की मरम्मत आदि से निपटने में मदद करता है। इस रिपोर्ट में हम आपको बताएंगे कि इमरजेंसी फंड कैसे तैयार करें।

बजट बनाएं और लक्ष्य तय करें : आप सबसे पहले, अपने मंथली खर्चों का हिसाब लगाएं। इसके बाद आपयह तय करें कि आपको कम से कम 3 से 6 महीने के खर्चों को कवर करने के लिए कितने फंड की जरूरत पड़ा सकती है। यह साफ टारगेट आपको बचत करने में मदद कर सकता है।

छोटे कदम से शुरुआत करें : लाइफ में हमेशा एक बड़ा फंड बनाने में सभी को टाइम लगता है। तो आप हर महीने अपनी इनकम का एक छोटा हिस्सा बचाना शुरू कर सकते हैं, भले ही यह छोटी राशि हो, नियमित रूप से बचत करने से यह समय के साथ एक बड़ा फंड बन जाएगा।

बचत को ऑटोमेट करें : आप हमेशा के लिए बचत को अपनी आदत बनाने के लिए, अपनी सैलरी अकाउंट से एक अलग बचत खाते में हर मंथ एक फिक्स अमाउंट का ऑटोमैटिक ट्रांसफर सेट कर दें। ऐसा करने से आपकी सैलरी आते ही इमरजेंसी के लिए बचत हो जाएगी और आप इसे खर्च करने से बच जाएंगे।

कर्ज कम करने को प्राथमिकता दें : तो अगर आप पर कोई हाई ब्याज वाला कर्ज (जैसे क्रेडिट कार्ड का कर्ज) है, तो सबसे पहले उसे चुकाने पर ध्यान देना चाहिए। हमेशा कर्ज से पूरी तरह से फ्री होने के बाद, आप अपने इमरजेंसी फंड के लिए अधिक बचत कर सकते हैं।

अलग और सुरक्षित जगह पर रखें : अपने इमरजेंसी फंड को अपने सामान्य बचत खाते से अलग रखें। इसको ऐसे ऑप्शन में इन्वेस्टमेंट करें जो सेफ हो और जिन्हें जरूरत पड़ने पर आसानी से निकाला भी जा सके।

कारोबार आइडिया

- अगर आप ऐसा बिजनेस चाहते हैं जिसकी मांग कभी कम न हो, तो आटे का बिजनेस करें
- भारत के कई हिस्सों में रोटी रोजमर्रा के भोजन का अहम हिस्सा, गुणवत्तापूर्ण आटे की डिमांड हमेशा रहती है व कमाई की संभावना लगातार

2.50 लाख में शुरू कर सकते हैं आटे का बिजनेस, हर महीने कर लेंगे मोटी कमाई

बिजनेस डेस्क

अगर आप भी नौकरी के अलावा बिजनेस करके खुद को स्टेबल कर मोटी कमाई करना चाहते हैं तो आपके लिए आटे का बिजनेस बेहतरीन विकल्प हो सकता है। इससे आप कम लागत में अच्छी कमाई का जुगाड़ लगा सकते हैं। रोटी भारतीय खानपान का अहम हिस्सा है, इसलिए इस बिजनेस की मांग हमेशा बनी रहती है। हर कोई चाहता है कि उसका बिजनेस लगातार चलता रहे और उसकी मांग कभी कम न हो। ऐसे में आटे का बिजनेस एक सुरक्षित और भरोसेमंद विकल्प बन सकता है। इसे शुरू करने के लिए लगभग 2.50 लाख रुपये तक का निवेश पर्याप्त है। भारत के उत्तर, मध्य और पूर्वी राज्यों में रोटी रोजना के खानपान का जरूरी हिस्सा है, जिससे गेहूं के आटे की खपत हमेशा बनी रहती है। यही कारण है कि इस कारोबार में मंदी आने की संभावना बेहद कम है। अगर आप सही मशीनरी, साफ-सुथरी प्रोसेसिंग और आकर्षक पैकिंग का इस्तेमाल करें, तो ये बिजनेस जल्दी ही स्थायी कमाई का जरिया बन सकता है। गुणवत्तापूर्ण आटे की हमेशा डिमांड रहती है और ग्राहक अच्छे ब्रांड को पसंद करते हैं। सही प्लानिंग के साथ आप कम लागत में इस बिजनेस की मजबूत शुरुआत कर सकते हैं और धीरे-धीरे इसे बड़े स्तर पर ले जा सकते हैं।

कहां से मिलेगा कच्चा माल

गेहूं की उपलब्धता ग्रामीण इलाकों और उनके आसपास आसानी से हो जाती है। लोग हमेशा शुद्ध और गुणवत्तापूर्ण आटा पसंद करते हैं, जिससे इस कारोबार का बाजार लगातार मजबूत बना रहता है। गेहूं के लिए किसानों से संपर्क करें। इसके बाद जैसे ही फसल आए किसानों से गेहूं खरीद लें। फसल के मौके पर आपको सस्ता अनाज मिल सकता है। इसे एक कमरे में स्टोर कर लें। इसके बाद असानी से इसकी पिसाई कर बेचते रहें। गेहूं को अच्छे से सुखाकर स्टोर करेंगे तो यह खराब नहीं होगा और रोटी भी बढ़िया आएगी। खेतों में गेहूं की फसल होली के बाद आ जाती है। इसलिए आपको गेहूं खरीदने के लिए मार्च में की प्रयास शुरू कर देना चाहिए। सीधे खेतों से बढ़िया क्वालिटी का गेहूं खरीदें और आ बनाकर बेचते रहें। सबसे पहले गेहूं की धुलाई और सुखाने की प्रक्रिया पूरी करें। इसके बाद सुखाए हुए गेहूं को मशीन से पीसकर आटा तैयार करें। अंत में इसे आकर्षक पैकिंग में भरें, ताकि ग्राहक तुरंत आकर्षित हों और ब्रांड पर भरोसा करें।

शुरुआती लागत पर ध्यान

इस बिजनेस में मशीनरी के लिए लगभग 1.25 लाख रुपये की जरूरत होगी, जिसमें चक्की, रोस्टर, सीलिंग मशीन, वजन तराजू, गैस कनेक्शन और बर्तन शामिल हैं। वर्किंग कैपिटल के रूप में करीब 1 लाख रुपये लगेंगे, जिसमें कच्चा माल, वेतन, बिजली और गैस का खर्च शामिल होगा। इसके अलावा, बिल्डिंग पर 25,000 तक खर्च रुपये आ सकता है। इस तरह कुल निवेश 2.50 लाख रुपये के आसपास होगा।

हर महीने कितना मुनाफा

मौजूदा आंकड़ों के मुताबीक, इस बिजनेस से हर महीने करीब 1.15 लाख रुपये की बिक्री हो सकती है। वहीं, मासिक खर्च करीब 1.05 लाख रुपये तक रहेगा। यानी आपको हर महीने लगभग 10,000 रुपये या उससे ज्यादा का शुद्ध मुनाफा मिल सकता है, जो बिजनेस बढ़ने के साथ और बढ़ेगा।

क्यों है आटे का बिजनेस फायदेमंद

रोटी भारतीय खानपान का अहम हिस्सा है, इसलिए इस बिजनेस की मांग हमेशा बनी रहती है। छोटे निवेश से भी इसकी शुरुआत की जा सकती है और क्वालिटी व पैकिंग पर ध्यान देकर इसे तेजी से बढ़ाया जा सकता है। सही मार्केटिंग के साथ आप इसे एक भरोसेमंद ब्रांड में बदल सकते हैं।

आटा बेचने के लिए विकल्प

- **भारत आटा बिक्री केंद्र :** सरकार द्वारा संचालित भारत आटा बिक्री केंद्रों पर आटा बेचा जा रहा है, जहां इसकी कीमत 27.50 रुपये प्रति किलोग्राम है। ये केंद्र देशभर में 800 मोबाइल वैन और 2,000 से अधिक दुकानों के माध्यम से आटा बेच रहे हैं।
- **मदर डेयरी के सफल स्टोर :** आप मदर डेयरी के सफल स्टोर से भी भारत ब्रांड का आटा खरीद सकते हैं।
- **नाफेड, एनसीसीएफ और केंद्रीय भंडार :** सरकार ने नाफेड, एनसीसीएफ और केंद्रीय भंडार के माध्यम से भारत आटा और चावल की खुदरा बिक्री शुरू की है।
- **स्थानीय बाजार :** आप अपने स्थानीय बाजार में भी आटा बेच सकते हैं या खरीद सकते हैं। कई स्थानीय बाजारों में आटे की दुकानें होती हैं जो ताजा और स्वादिष्ट आटा बेचती हैं।
- **आनलाइन प्लेटफ़ॉर्म :** आप ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म का उपयोग करके भी आटा बेच सकते हैं या खरीद सकते हैं। कई ऑनलाइन स्टोर और वेबसाइटें आटे की बिक्री करती हैं।

अब नया इनकम टैक्स कानून देगा लाखों टैक्सपेयर्स को बड़ी राहत

जानकारी
बिजनेस डेस्क

संसद ने इनकम टैक्स बिल 2025 का संशोधित रूप से पास करते समय ऐसी कई गलतियों या खामियों को ठीक कर दिया है, जो पुराने ड्राफ्ट में हो गई थीं। इन संशोधनों को पास किए जाने से देश के लाखों टैक्सपेयर्स को भारी राहत मिलेगी। केंद्र सरकार द्वारा किए गए इन बदलावों में निल टीडीएस सर्टिफिकेट, हाउस प्रॉपर्टी इनकम पर स्टैंडर्ड डिडक्शन, नॉन-एम्प्लॉइज के लिए पेंशन छूट और गुमनाम दान के नियमों में सुधार जैसे कई अहम प्रावधान शामिल हैं। इस रिपोर्ट में हम आपको बताएंगे ऐसी कुछ बहम बदलाव जो टैक्सपेयर्स के ऊपर कई अच्छे असर डालेंगे। इससे आयकर रिटर्न भरना भी आसान हो जाएगा और कोई दिक्कत नहीं आएगी।

जीरो टीडीएस सर्टिफिकेट पर सुधारी गड़बड़ी

पुरानेइनकम टैक्स एक्ट 1961 में धारा 197 के तहत निल यानी जीरो और लोअर टीडीएस सर्टिफिकेट दोनों का प्रावधान था, लेकिन नए बिल के शुरुआती ड्राफ्ट में निल शब्द हटा दिया गया था। इससे उन टैक्सपेयर्स के लिए परेशानी खड़ी हो सकती थी, जिनकी आय बेसिक छूट सीमा या सेक्शन 87ए रिबेट के बाद टैक्स फ्री होती है। संशोधित बिल में अब फिर से निल शब्द जोड़ दिया गया है, जिससे साफ हो गया है कि जरूरत पड़ने पर टैक्सपेयर्स निल टीडीएस सर्टिफिकेट ले सकते हैं। इससे अनावश्यक विवाद और रिफंड के झंझट से बचा जा सकेगा।

नॉन-एम्प्लॉइज को मिलेगी पेंशन टैक्स छूट

पहले ड्राफ्ट में कम्यूटेड पेंशन पर छूट सिर्फ कर्मचारियों को दी गई थी, जबकि मौजूदा कानून में यह सुविधा नॉन-एम्प्लॉइज को भी मिलती है, बशर्ते पेंशन अप्रूव्ड पेंशन फंड से आई हो। समिति ने इस असमानता को दूर करते हुए सिफारिश की कि नॉन-एम्प्लॉइज को भी यह छूट दी जाए. संशोधित बिल में यह बदलाव कर दिया गया है, जिससे अब सभी पात्र लोग, चाहे वे सैलरीड हों या न हों, पेंशन की पूरी राशि पर छूट पा सकेंगे।

हाउस प्रॉपर्टी इनकम पर स्टैंडर्ड डिडक्शन की स्पष्टता

नए बिल में साफ कर दिया गया है कि हाउस प्रॉपर्टी इनकम पर 30% का स्टैंडर्ड डिडक्शन म्यूनिसिपल टैक्स घटाने के बाद ही मिलेगा, जैसा कि मौजूदा कानून में है। इसके अलावा, पहले ड्राफ्ट में प्री-कंस्ट्रक्शन लोन इंटरेस्ट डिडक्शन सिर्फ सेल्फ-ऑक्यूपाइड प्रॉपर्टी के लिए था, जिससे किराए पर दी गई प्रॉपर्टी के मालिकों को नुकसान होता. संशोधित बिल में अब किराए पर दी गई या मानी हुई किराए पर दी गई प्रॉपर्टी के लिए भी यह डिडक्शन बहाल कर दिया गया है।

गोपनीय दान पर छूट के पुराने नियम बहाल

गैर-लाभकारी संगठनों के लिए पुराने कानून में कुल डोनेशन का 5% तक गुमनाम या गुप्त दान टैक्स फ्री होता था. नए बिल के पहले ड्राफ्ट में इसे गुमनाम दान का 5% कर दिया गया था, जिससे छूट का दायरा काफी घट जाता। समिति की सिफारिश के बाद संशोधित बिल में अब फिर से कुल डोनेशन का 5% वाला प्रावधान बहाल कर दिया गया है। इससे एनजीओ और चैरिटेबल ट्रस्ट पर टैक्स का बोझ नहीं बढ़ेगा।

- संसद ने नए कानून को पास करते समय कई खामियों को ठीक किया
- पुराने ड्राफ्ट में कई खामियां सामने आई थी, लोगों को हो रही थी परेशानी
- निल टीडीएस सर्टिफिकेट, हाउस प्रॉपर्टी इनकम पर स्टैंडर्ड डिडक्शन बदले
- नॉन-एम्प्लॉइज के लिए पेंशन छूट और गुमनाम दान के नियमों में भी सुधार किए

कमर्शियल प्रॉपर्टी पर नियम में सुधार

पहले ड्राफ्ट में सिर्फ ऑक्यूपाइड कमर्शियल प्रॉपर्टी को हाउस प्रॉपर्टी इनकम के टैक्स से बाहर रखा गया था, जिससे खाली पड़ी बिजनेस प्रॉपर्टी पर भी नोशनल रेंट लगने का खतरा था। समिति ने सुझाव दिया कि मौजूदा कानून की तरह ऑक्यूपाइड और वैकेंट दोनों तरह की कमर्शियल प्रॉपर्टी को बाहर रखा जाए। संशोधित बिल में यह सुधार कर दिया गया है, जिससे बिजनेस के लिए रखी गई लेकिन फिलहाल खाली पड़ी प्रॉपर्टीज पर अनावश्यक टैक्स का टेंशन टल गया है।

कर ढांचे में बदलाव

- नई कर व्यवस्था में छूट की सीमा को बढ़ाकर 12 लाख रुपये कर दिया गया है, जिससे 12 लाख रुपये तक की आय वाले व्यक्तियों को कोई कर नहीं देना होगा।
- 80एम कटौती को बहाल किया, जो कंपनियों को अंतर-कॉर्पोरेट लाभांश को कटौती के दावे की अनुमति देता है।

टीडीएस और टीसीएस में बदलाव

- टीडीएस की सीमा बढ़ा दी गई है, जैसे कि वरिष्ठ नागरिकों के लिए ब्याज आय पर टीडीएस की सीमा 50,000 रुपये से बढ़ाकर 1,00,000 रुपये कर दी गई है।
- टीसीएस की दरें बदली हैं, जैसे ओवरसीज रेमिटेंस स्कीम के तहत 7 लाख से लेनदेन पर टीसीएस की दर 0.5% से हटा दी है। अब 10 लाख से अधिक लेनदेन पर लागू होगी।

अन्य बदलाव

- धारा 206एबी और 206सीसीए को हटा दिया गया है, जिससे छोटे करदाताओं को राहत मिलेगी।
- यूनिफाइड पेंशन स्कीम (यूपीएस) के तहत कर लाभ बढ़ा दिए गए हैं।
- स्टार्टअप्स के लिए 100% कर छूट की अनुमति होगी जो 1 अप्रैल, 2030 से पहले स्थापित किए गए हैं।

नया इनकम टैक्स कानून, जिसे आयकर (नंबर 2) विधेयक, 2025 के रूप में जाना जाता है, लोकसभा द्वारा पारित किया गया है। यह विधेयक पुराने आयकर अधिनियम, 1961 की जगह लेगा और 1 अप्रैल, 2026 से लागू होगा।

खबर संक्षेप

शादी का झांसा देकर युवती से दुष्कर्म

हिसार। जिले के एक क्षेत्र की युवती से युवक द्वारा ब्लेकमेल करके बार बार दुष्कर्म करने, गर्भपात करवाने व जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाते हुए पुलिस को शिकायत दी है। पुलिस ने युवक पर विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज करके जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में पीड़ित युवती ने कहा कि वह जिले के एक गांव की रहने वाली है। उसके घर के सामने आरोपी का ज्वैलरी पैकिंग का ऑफिस था और वह आरोपी के ऑफिस में काम करती थी। उसने आरोपी के पास अप्रैल 2021 में काम करना शुरू किया था। कुछ समय बाद आरोपी उसके साथ संबंध बनाने के लिए दबाव बनाने लगा लेकिन उसने स्पष्ट इनकार कर दिया। आरोपी ने उसे शादी का झांसा दिया और 1-2 साल में शादी की बात कहते हुए ऑफिस में ही शारीरिक संबंध बनाए।

ओशो ध्यान उपवन के श्रीकृष्ण जन्मोत्सव की तैयारियां पूरी

हिसार। साधकों में जागृति लाने के प्रति समर्पित ओशो ध्यान उपवन में 17 अगस्त को आयोजित होने वाले ध्यान शिविर व श्रीकृष्ण जन्मोत्सव की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। प्रातः 7 बजे से दोपहर 2.30 बजे तक श्रीकृष्ण जन्मोत्सव मनाते हुए श्रीकृष्ण के दर्शन से रूबरू करवाया जाएगा। श्रीकृष्ण जन्मोत्सव के आयोजक स्वामी संजय ने बताया कि इस ध्यान शिविर व उत्सव में विभिन्न क्षेत्रों से काफी संख्या में साधक बढ़-चढक़र हिस्सा लेंगे।

एजेंसी एक सप्ताह के अंदर-अंदर उठान करें : निगमायुक्त

प्रोसेसिंग मटेरियल का उठान नहीं होने पर निगमायुक्त ने लगाई फटकार

निगमायुक्त नीरज ने अधिकारियों के साथ सफाई और विकास कार्यों का किया निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

हिसार। ढंडूर साइट पर दिशा-निर्देश देते निगमायुक्त नीरज।

नगर निगम आयुक्त नीरज ने शनिवार को अधिकारियों के साथ सफाई और विकास कार्यों का निरीक्षण किया। निगमायुक्त ने निरीक्षण के दौरान ढंडूर साइट पर प्रोसेसिंग मटेरियल के उठान में देरी को लेकर नाराजगी जताई और संबंधित एजेंसी को सख्त आदेश दिए कि एक सप्ताह के अंदर हर हाल में उठान होना चाहिए। अगर ऐसा नहीं किया गया तो एजेंसी कार्रवाई के लिए तैयार रहें। निगमायुक्त ने मधुबन पार्क में साफ-सफाई ठीक नहीं होने पर एजेंसी को फटकार लगाई। इस अवसर पर कार्यकारी अभियंता जयवीर डूडी, अमित कौशिक, सहायक अभियंता अमित बेरवाल, राकेश, अंकुर, राधेश्याम, अजय, जेई सुमित, तकनीकी विशेषज्ञ जसबीर, सुपरवाइजर नरेंद्र व संबंधित एजेंसी मौजूद थी।

ढंडूर साइट किया निरीक्षण

जानकारी के अनुसार निगमायुक्त ने निगम एरिया में चले रहे साफ-सफाई व विकास कार्यों का निरीक्षण करने की शुरूआत गांव ढंडूर के पास साइट से की। इस साइट पर पर तीन एजेंसियां कार्य कर रही है। इस साइट पर वार्ड 1 से 10 तथा वार्ड 11 से 20 के लिए दो अलग-अलग एजेंसियों कचरे के प्रोसेसिंग का कार्य कर रही है, जबकि तीसरी एजेंसी सॉलिड वेस्ट के प्रोसेसिंग का कार्य कर रही है। निगम आयुक्त ने करनी कॉरपोरेशन और जीसीसी एजेंसी को जल्द ही कचरे को प्रोसेसिंग करने के आदेश दिए। इसके साथ ही दोनों एजेंसी को प्रोसेसिंग मटेरियल एक सप्ताह के अंदर अंदर उठान करने के आदेश दिए। लिगेसी वेस्ट का कार्य कर रही डिंग मैनपावर एजेंसी को प्रोसेसिंग मटेरियल एक सप्ताह के अंदर अंदर उठान करने के आदेश दिए।

मॉडर्न एमआरएफ सेंटर बनाने के आदेश

निगमायुक्त नीरज ने सातरोड के पास बने एमआरएफ सेंटर का निरीक्षण किया। उन्होंने इसे मॉडर्न एमआरएफ सेंटर बनाने के आदेश दिए। इसके लिए ग्रीनरी करना, दीवारों को ऊंची करने के साथ-साथ अन्य कार्य जल्द से जल्द करवाएं जाएंगे। इसी के साथ लगती रोड बनाने के आदेश दिए। इसी के साथ निगम आयुक्त ने स्वर्ण जयंती पार्क का भी निरीक्षण किया।

क्यूआर कोड पर सुझाव करें साझा

नगर निगम द्वारा हिसार में लगभग 50 बस क्यू सेल्टर लगाए गए हैं। जिनके रिपेयरिंग के कार्य चल रहा है निगम आयुक्त ने कार्य में तेजी लाने और उन्हें जल्द ठीक करने के आदेश दिए। निगम आयुक्त नीरज ने शौचालयों का निरीक्षण कर कहा कि शौचालय बहुत अच्छे है, उन पर जो सुझाव के लिए क्यूआर कोड लगा हुआ है उस पर आम आदमी अपने सुझाव साझा करें।

स्लिप रोड के लिए एजेंसी जल्द कार्य शुरू करें

शहर के सबसे बड़े पार्क टाउन पार्क का कार्य प्रगति पर है। इसका भी निगम आयुक्त ने निरीक्षण किया। इसके साथ ही टाऊन पार्क के पास बनने वाली स्लिप रोड का भी निरीक्षण किया जहां वन विभाग द्वारा पेड़ों की कटाई चल रही है और एजेंसी को जल्द कार्य शुरू करने के आदेश दिए। इसके बाद निगम आयुक्त ने रोड स्वीपिंग मशीन का भी निरीक्षण किया और उसको हर दिन निर्धारित रूट के अनुसार चलाने बारे आदेश दिए। इसके बाद निगम आयुक्त ने मधुबन पार्क का निरीक्षण किया और एजेंसी को उसकी साफ सफाई रखने बारे कड़े आदेश दिए।

देशभक्ति के रंगों से सराबोर हुआ श्री काली देवी विद्या मंदिर

हांसी। स्वतंत्रता दिवस समारोह में सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करते स्कूली बच्चे।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हांसी

श्री काली देवी विद्या मंदिर में स्वतंत्रता दिवस का पावन पर्व बड़े हर्षोल्लास और देशभक्ति की भावना के साथ मनाया गया। ध्वजारोहण प्राचार्या गीता मेहता एवं वरिष्ठ शिक्षिकाओं सरोज पोपली एवं राखी मदान द्वारा किया गया। ध्वजारोहण के उपरांत विद्यार्थियों ने देशभक्ति से ओत-प्रोत गीत, भाषण एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। प्रधानाचार्या गीता मेहता ने बच्चों को स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान से प्रेरणा लेने और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय योगदान देने का संदेश दिया।

भारती हाई स्कूल में रही स्वतंत्रता दिवस की धूम

हिसार। राधा-कृष्ण की मनमोहक झांकी प्रस्तुत करते बच्चे।

हिसार। भारती हाई स्कूल में स्वतंत्रता दिवस और श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का आयोजन बड़े हर्षोल्लास और धार्मिक उत्साह के साथ किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत ध्वजारोहण और राष्ट्रगान से हुई, जिसके बाद मंच पर विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का सिलसिला चला। स्कूल के बच्चों ने भगवान श्रीकृष्ण के जन्म की झांकी प्रस्तुत कर सभी को भावविभोर कर दिया। राधा-कृष्ण और गोपियों की मनमोहक झांकियां, गीत और नृत्य ने वातावरण को भक्तिमय बना दिया। इसके साथ ही बच्चों ने स्वतंत्रता सेनानियों और महान विभूतियों की झांकियां प्रस्तुत कीं, जिनमें महारानी लक्ष्मीबाई, बाबा भीमराव अंबेडकर, शहीद राजगुरु, भगत सिंह, सुखदेव और हमारे वीर सैनिकों का जीवंत चित्रण किया गया।

लिफ्ट देकर सुघांया नशीला पदार्थ लूटपाट करने वाला गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

- पुलिस ने किया हत्या सहित तीन वारदातों का खुलासा

सदर पुलिस ने अनजान लोगों को अपनी मोटरसाइकिल पर लिफ्ट देकर उन्हें रास्ते में कोल्ड ड्रिंक अथवा शराब पीने के लिए देकर लूटपाट करने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान सनियाना निवासी विक्की के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार आरोपी तो पेय पदार्थ देता था, उसमें वह नशीला पदार्थ मिलाता था, जिससे व्यक्ति बेहोश हो जाता और आरोपी उसके पास से नकदी व आभूषण लूटकर फरार हो जाता था।

उप निरीक्षक नवीन कुमार ने बताया कि हाल ही में राजस्थान के हनुमानगढ़ जिले के गांव उत्तरादाबास निवासी 75 वर्षीय नानकराम की हत्या के मामले में भी इसी आरोपी का हाथ सामने आया है। नानकराम को आरोपी ने मोटरसाइकिल पर बिठाया और रास्ते में नशीला पदार्थ सुंघाकर उनकी सोने की अंगूठी व 5000 रुपये लूट लिए। बेहोशी की हालत में नानकराम को सड़क किनारे फेंककर आरोपी फरार हो गया। पोस्टमार्टम व जांच के बाद पुलिस ने आरोपी की पहचान कर उसे गिरफ्तार किया। उन्होंने बताया कि सदर थाना में गत 8 अगस्त उत्तरादाबास निवासी प्रेम सिंह की शिकायत पर केस दर्ज किया गया था। जांच अधिकारी ने बताया कि पूछताछ के दौरान आरोपी ने इस घटना के अलावा दो और लूटपाट की वारदातों को कबूल किया है। आरोपी को पूछताछ के बाद अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

आरडीएम स्कूल के विद्यार्थियों ने निकाली हर घर तिरंगा रैली

हरिभूमि न्यूज ▶▶| उकलाना

आजादी के शुभ अवसर अमृत महोत्सव के अंतर्गत भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर भारतीय पर्वतारोही रीना भट्टी, संस्था निदेशक डॉ. केसी शर्मा, प्रधानाचार्या डॉ. शालू कटारिया, एनएसएस अधिकारी राजेश सोनी, डीपीई जितेंद्र, सीटीओ काजल, जीसीओ सोनिया, अन्य अध्यापक गण और सभी विद्यार्थी उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि द्वारा हरी झंडी दिखाकर तिरंगा रैली को रवाना किया गया। तत्पश्चात विद्यालय में कनिष्ठ व वरिष्ठ वर्ग द्वारा ऑपरेशन सिंदूर और सैनिकों के बलिदानों का छात्रों द्वारा अद्भुत प्रदर्शन किया गया। राष्ट्रीय कैडेट कोर व राष्ट्रीय स्वयं सेवकों द्वारा देशभक्ति व प्रेरणा भरे गीत व हैरतअंगेज कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। वंदे मातरम तथा भारत माता की जय के नारों से आरडीएम का सारा प्रांगण गूंज उठा।

उकलाना। स्मृति चिन्ह प्रदान करते संस्था निदेशक डॉ. केसी शर्मा।

मोबाइल से आजादी व मरीजों की सेवा का लिया प्रण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

सर्वोदय मल्टीस्पेशलिटी एवं कैंसर अस्पताल में 79वां स्वतंत्रता दिवस बड़े हर्षोल्लास और देशभक्ति की भावना के साथ मनाया गया। इस अवसर पर पूरे अस्पताल को तिरंगा गुब्बारों से सजाया गया। सभी कर्मचारी, डॉक्टर और मैनेजमेंट सदस्य हाथों में तिरंगा लिए देशभक्ति से ओत-प्रोत दिखाई दिए।

इस अवसर पर अस्पताल के वरिष्ठतम डॉक्टर डॉ. आरके रावल ने संस्थान के डायरेक्टर डॉ. विनीत यादव की ओर से सभी को शुभकामनाएं दीं। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि हमें मोबाइल की लत से आजादी लेकर यह प्रण लेना चाहिए कि काम के समय मोबाइल दराज में रखकर केवल मरीजों की सेवा को प्राथमिकता देंगे, ताकि किसी भी मरीज को परेशानी न हो। इस मौके पर अस्पताल के जाने-माने कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. अविराज चौधरी, सभी डॉक्टरों, स्टाफ और प्रबंधन ने एकजुट होकर देश की एकता और मरीजों की सेवा के संकल्प को दोहराया।

हिसार। स्वतंत्रता दिवस मनाते सर्वोदय मल्टीस्पेशलिटी एवं कैंसर अस्पताल स्टाफ व प्रबंधन।

लोटस स्कूल में रही ऐतिहासिक और धार्मिक पर्व की धूम

उकलाना। लोटस स्कूल में दही हांडी तोड़ते बच्चे।

उकलाना। लोटस इंटरनेशनल स्कूल में आजादी का महापर्व और जन्माष्टमी का त्योहार बहुत ही धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने भिन्न-भिन्न प्रकार की देशभक्ति से ओतप्रोत और सांस्कृतिक धरोहर को पेश करती हुई प्रस्तुतियां दी। स्कूल चेयरमैन महेंद्र कुनर और प्रिंसिपल आरती कुनर ने आजादी के महापर्व पर बच्चों को हमारे पूर्वजों द्वारा दिए गए बलिदानों का वर्णन किया। स्कूल चेयरमैन महेंद्र कुनर और प्रिंसिपल आरती कुनर ने स्टाफ सदस्यों संग 15 अगस्त के उपलक्ष्य में तिरंगा फहराया। विद्यालय प्रांगण में जन्माष्टमी पर्व विद्यालय के नन्हे मुन्ने बच्चों ने कान्हा का रूप धारण किया। विद्यालय प्रांगण में दही हांडी तोड़ने के कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया।

चेयरमैन टेलटिया ने कृष्ण प्रणामी स्कूल में किया ध्वजारोहण

हिसार। ध्वजारोहण करते चेयरमैन प्रो. एसएन टेलटिया और प्रधानाचार्या नीरू भाटिया।

हिसार। श्री कृष्ण प्रणामी पब्लिक स्कूल, बगला रोड के प्रांगण में 79वां स्वतंत्रता दिवस बड़े उत्साह और देशभक्ति की भावना के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय के चेयरमैन प्रोफेसर एस. एन. टेलटिया और प्रधानाचार्या नीरू भाटिया ने ध्वजारोहण किया। राष्ट्रगान के मधुर स्वर गूंजते ही पूरा माहौल देशभक्ति से ओत-प्रोत हो गया। कार्यक्रम के अंत में चेयरमैन प्रोफेसर एस. एन. टेलटिया ने अपने संबोधन में कहा कि हमें अपने हर कर्तव्य और दायित्व को पूरी ईमानदारी से निभाना चाहिए। उन्होंने सभी को 79वां स्वतंत्रता दिवस और जन्माष्टमी की हार्दिक शुभकामनाएं दीं और विद्यार्थियों से देशहित में सदैव अग्रसर रहने का आह्वान किया।

रॉयल स्कूल में स्वतंत्रता दिवस समारोह का किया आयोजन

हिसार। स्वतंत्रता दिवस पर देशभक्ति प्रस्तुति देते छात्र।

हिसार। रॉयल इंटरनेशनल रेजिडेंशियल स्कूल खारा खेड़ी में शुक्रवार को 79वां भारतीय स्वतंत्रता दिवस समारोह बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। संपूर्ण विद्यालय का वातावरण देशभक्ति की भावना से ओत-प्रोत था। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में हिसार जिला परिषद सदस्य अजय धुंधवाल ने शिरकत की। स्कूल निदेशिका डॉ. ज्योत्स्ना, स्कूल प्रशासक विक्रमादित्य, सैनिक स्कूल कमांडेंट कर्नल (डॉ०) डीवी नेहरा ने मुख्य अतिथि का भव्य स्वागत किया। कार्यक्रम का मंच संचालन कक्षा नौवीं की छात्राओं दिव्या और खुशी ने बड़ी कुशलता पूर्वक किया। कक्षा पहली और तीसरी के विद्यार्थियों ने अपने नृत्य से सब का मन मोह लिया। स्कूल चेयरमैन डॉ. युद्धवीर सिंह ने सभी को स्वतंत्रता दिवस की बधाई दी। इस अवसर पर उपप्रधानाचार्या प्रगति, सीनियर कोऑर्डिनेटर पूनम बिश्नोई, सह शैक्षणिक गतिविधि इंचार्ज वर्षा व अन्य अध्यापक गण भी उपस्थित रहे।

उकलाना। स्वतंत्रता दिवस पर अपनी प्रस्तुति देते बच्चे।

कृष्णा देवी गुरुकुल स्कूल में मनाया स्वतंत्रता दिवस एवं जन्माष्टमी पर्व

उकलाना। कृष्णा देवी गुरुकुल इंटरनेशनल स्कूल, उकलाना मंडी में 79वां स्वतंत्रता दिवस एवं जन्माष्टमी का पर्व बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। अतिथियों का स्वागत गार्ड ऑफ ऑनर के साथ किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ ध्वजारोहण से हुआ, जिसे स्कूल की डायरेक्टर काजल धायल, प्राचार्य जय प्रकाश पांडे तथा प्रबंधन समिति के सदस्य सुनीता धायल, संजय धायल, अभिषेक धायल एवं मानव धायल ने संपन्न किया। इस अवसर पर नर्सरी, एल.के.जी. एवं यू.के.जी. के नन्हे-मुन्ने बच्चों ने राधा-कृष्ण भजनों पर मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किया। कक्षा 2 से 4 के विद्यार्थियों ने ऊर्जावान नृत्य प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। मंगल पांडे, झांसी की रानी लक्ष्मीबाई एवं शहीद भगत सिंह पर आधारित नृत्य-नाटक ने दर्शकों को देशभक्ति की भावना से ओतप्रोत कर दिया। विद्यालय के प्राचार्य जय प्रकाश पांडे ने विद्यार्थियों को अपने कर्तव्यों के प्रति सजग रहने के लिए प्रेरित किया।

हिसार। सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करते विद्यार्थी।

विज्डम स्कूल में जन्माष्टमी एवं स्वतंत्रता दिवस मनाया

हिसार। साउथ बाइपास स्थित विज्डम स्कूल में स्वतंत्रता दिवस व जन्माष्टमी दिवस का संयुक्त आयोजन बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः प्रार्थना व संचालक हरिपाल पिलानिया द्वारा ध्वजारोहण व राष्ट्रीय गान से किया गया। कार्यक्रम में स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को नमन करते हुए विद्यार्थियों द्वारा देशभक्ति की प्रेरणादायक बातें बताई गई। इसी के साथ जन्माष्टमी पर्व के अंतर्गत बच्चों ने राधा कृष्ण के रूप में मनमोहक झांकियां प्रस्तुत की और दही हांडी प्रतियोगिता तथा श्री कृष्ण लीला नाट्य मंचन ने सभी दर्शकों को मंत्र मुक्त कर दिया कार्यक्रम के अंत में सभी विद्यार्थियों ने सामूहिक नृत्य कर खुशी मनाई। विद्यालय संचालक हरिपाल पिलानिया व प्रधानाचार्या नीलम पिलानिया ने सभी को संदेश दिया कि हमें अपने देश की स्वतंत्रता की रक्षा के साथ-साथ अपनी संस्कृति को भी सहेज कर रखना चाहिए।

रामचंद्र पब्लिक स्कूल में स्वतंत्रता दिवस व जन्माष्टमी मनाई

कनीना। रामचंद्र पब्लिक स्कूल में स्वतंत्रता दिवस एवं जन्माष्टमी के पावन अवसर पर हर्षोल्लास और श्रद्धा के साथ भव्य समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत प्रार्थना सभा और राष्ट्रगान से हुई। विद्यालय परिसर तिरंगे झंडों, फूलों की झालरों और कृष्ण-लीलाओं से सजे मंच के साथ देशभक्ति और भक्ति भाव से सराबोर हो उठा। चेयरमैन रोशनलाल यादव ने ध्वजारोहण कर शहीदों को नमन किया। इसके पश्चात विद्यार्थियों ने देशभक्ति गीत, नृत्य, कविता-पाठ और भाषणों के माध्यम से स्वतंत्रता संग्राम के नायकों को श्रद्धांजलि अर्पित की।

योग शब्दानंद महाराज की स्मृति में सत्संग का आयोजन

सुख में भी भगवान को नहीं भूलना चाहिए : संत रामानंद

- संतों व श्रद्धालुओं ने हाथों से खींचा रथ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

हिसार। शोभा यात्रा में शामिल रथ को हाथों से खींचते श्रद्धालु।

शांति नगर स्थित परमहंस श्रीयोग दरबार ब्रह्मज्ञान मंदिर में ब्रह्मलीन योग शब्दानंदजी महाराज के स्मृति दिवस पर सत्संग व भंडारे का आयोजन किया गया। इस मौके पर सात दिन पूर्व रखी गई भागवत कथा का समापन किया गया। मंदिर प्रांगण में हवन किया गया। सैंकड़ों श्रद्धालुओं ने हवन में आहुति डाली। इससे पूर्व डोगरान मौहल्ला कुटिया से संत रामानंद के सान्निध्य में भागवत के साथ शोभा यात्रा निकाली गई। यात्रा में शामिल रथ को रास्ते भर संतों ने व श्रद्धालुओं ने अपने हाथों से खींचा। शोभा यात्रा में अनेक संतों सहित श्रद्धालुओं ने भजन गाते हुए भाग लिया।

सभी विद्वानों ने उपस्थित श्रद्धालुओं को प्रवचन देते हुए कहा कि गुरुदेव की महिमा अपरम्पार है। गुरु सदैव अपने शिष्य को सही मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने कहा कि परिस्थितियां सदा एक जैसी नहीं रहती। दुख-सुख मनुष्य को अपने कर्मों के हिसाब से भोगने पड़ते हैं। दुख आने पर तो भगवान याद आते हैं परंतु सुख में भी

गुजवि में श्रद्धा से मना भगवान श्रीकृष्ण एवं गुरु जंभेश्वर जी महाराज जन्मोत्सव

हिसार। गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के गुरु जंभेश्वर जी महाराज धार्मिक अध्ययन संस्थान में भगवान श्रीकृष्ण एवं गुरु जंभेश्वर जी महाराज का जन्मोत्सव अत्यंत श्रद्धा, भक्ति और उल्लासपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुआ। गुरु जंभेश्वर जी के जिनके नाम से यह विश्वविद्यालय स्थापित है उनका 575 वां जन्मोत्सव था। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई एवं विश्वविद्यालय की प्रथम महिला डॉ. वंदना बिश्नोई के द्वारा ध्वजारोहण कर समारोह का शुभारंभ किया गया। तत्पश्चात जम्भवाणी का सामूहिक पाठ किया गया, जिसकी पावन ध्वनि से सम्पूर्ण परिसर गुंजायमान हो उठा। इसके उपरांत वैदिक मंत्रोच्चार के साथ यज्ञ का आयोजन सम्पन्न हुआ। मुख्य यजमान के रूप में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई एवं विश्वविद्यालय की प्रथम महिला डॉ. वंदना बिश्नोई ने आहुति प्रदान की।

खबर संक्षेप

एलईडी टीवी चोरी के मामले में आरोपी काबू

हिसार। थाना अर्बन एस्टेट पुलिस ने सेक्टर 9-11 स्थित मकान से एलईडी टीवी और बेडशीट चोरी मामले में एक आरोपी न्यू मॉडल टाउन निवासी गणेश साहनी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी से चोरीशुदा एलईडी टीवी और बेड शीट बरामद की है। एएसआई कृष्ण कुमार ने बताया कि इस संबंध में सेक्टर 9/11 हिसार निवासी राजबीर ने उसके घर से एलईडी टीवी और बेड शीट चोरी होने के बारे में शिकायत दी थी। इस पर जांच करते हुए पुलिस ने उक्त आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी से चोरी शुदा एलईडी टीवी और बेड शीट बरामद की है। आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

4.57 ग्राम हेरोइन सहित एक गिरफ्तार

हिसार। नशा तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत एचटीएम थाना पुलिस ने रायपुर रोड, रामनगर से एक व्यक्ति को काबू करके 4.57 ग्राम हेरोइन बरामद की है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि गश्त के दौरान सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने एक संदिग्ध व्यक्ति को काबू किया। पूछताछ में उसकी पहचान रामनगर की विश्वकर्मा कॉलोनी निवासी रोहित के रूप में हुई। तलाशी के दौरान रोहित के कब्जे से पॉलिथीन थैली में रखी 4.57 ग्राम हेरोइन बरामद की गई।

हकृवि ने घोषित किए प्रवेश परीक्षा के परिणाम

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के एमएससी एग्रीकल्चर, कम्यूनिटी सांइस, एमटेक एग्री. इंजीनियरिंग, एमएफएससी, बीएसएसी लाइफ सांइस, बीएससी फिजीकल सांइस व बीटेक बायोटेक्नोलॉजी पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए आयोजित की गई प्रवेश परीक्षाओं के परिणाम घोषित कर दिए गए है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज ने बताया कि एमएससी एग्रीकल्चर पाठ्यक्रम में प्रियंका ने 84 अंक, नितिन ने 83 अंक व सुमित ने 79 अंक हासिल कर क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त किया। विश्वविद्यालय के कुलसचिव एवं परीक्षा नियंत्रक डॉ. पवन कुमार ने बताया कि ये प्रवेश परीक्षाएं 20 जुलाई व 3 अगस्त को आयोजित की गई थी।

सेक्टर-33: तेल व्यापारी की फॉर्च्यूनर गाड़ी तोड़ी

हिसार। शहर के सेक्टर 33 में घर के बाहर खड़ी तेल व्यापारी की फॉर्च्यूनर गाड़ी को रात के समय अज्ञात लोगों ने तोड़ डाला। तोड़फोड़ के दौरान अचानक गाड़ी का सायरन बज गया, जिस पर हमलावर फरार हो गए। कार मालिक ने बाहर आकर गाड़ी का हालत देखी और पुलिस को सूचना दी। सेक्टर 33 में रहने वाले तेल व्यापारी प्रतीक अग्रवाल ने बताया कि उसने लगभग दो साल पहले फॉरच्यूनर गाड़ी खरीदी थी। वह जहां रहता है, वहां आसपास का क्षेत्र खाली है। रात के समय पूरा इलाका सुनसान हो जाता है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान करने का प्रयास कर रही है। व्यापारी प्रतीक अग्रवाल ने बताया कि रात को दो बजे हमलावर आए थे और गाड़ी के शीशे तोड़ दिए। सीसीटीवी में तीन हमलावर शामिल हैं।

अपहरण व मारपीट के मामले में दो गिरफ्तार

हिसार। पीएलए चौकी पुलिस ने अपहरण और मारपीट के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान पटेल नगर निवासी अमित और अंकित के रूप में हुई है। चौकी प्रभारी एएसआई अनूप ने बताया कि आरोपियों ने अपने साथियों के साथ मिलकर पुराने झगड़े की रंजिश में ग्लोबल स्पेस निवासी इशांत का अपहरण करके उसके साथ मारपीट की और बाद में छोड़ दिया। आरोपियों को अदालत ने न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। 7 जुलाई को फतेहाबाद के मेहुवाला निवासी ललित कुमार ने पीएलए पुलिस चौकी में शिकायत दी थी। वह दोस्त इशांत के साथ पीएलए टैक्सी स्टेंड स्थित रेस्टोरेंट के सामने खड़ा था, तभी स्विफ्ट में सवार अर्जुन मलिक और उसके साथी वहां पहुंचे। उन्होंने इशांत से मारपीट कर जबरन गाड़ी में ले गए।

कैबिनेट मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने किया ध्वजारोहण

मोदी के नेतृत्व में देश ने आतंकवाद के खिलाफ कड़ा व निर्णायक रुख अपनाया

मार्च पास्ट करने वाली टुकड़ियों का किया निरीक्षण, भव्य परेड की ली सलामी, शिक्षण संस्थाओं के विद्यार्थियों ने रंगारंग देशभक्ति से ओत-प्रोत सांस्कृतिक कार्यक्रम किए प्रस्तुत

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

हिसार। स्वतंत्रता दिवस समारोह में प्रतिभागियों के साथ कैबिनेट मंत्री कृष्ण कुमार बेदी।

हांसी। स्वतंत्रता दिवस समारोह में शहीदों के परिजनों को सम्मानित करते विधायक विनोद भयाना। फोटो: हरिभूमि

सामाजिक न्याय तथा अधिकारिता, अनुसूचित जातियां एवं पिछड़े वर्ग कल्याण और अंत्योदय मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने शुक्रवार को हकृवि के गिरी सेंटर में आयोजित जिला स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह में ध्वजारोहण कर परेड की सलामी ली। उन्होंने मार्च पास्ट करने वाली टुकडिय़ों का निरीक्षण किया। इससे पूर्व वे उपायुक्त अनीश यादव और पुलिस अधीक्षक शशांक कुमार सावन के साथ लघु सचिवालय परिसर के समीप शहीद स्मारक पर पहुंचे व देश की आजादी के लिए अपने प्राणों को न्यौछावर करने वाले तथा आजादी के पश्चात राष्ट्र की एकता एवं अखंडता को बनाए रखने के लिए अपनी शहादत देने वाले अमर शहीदों को पुष्पचक्र अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी। कैबिनेट मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने समारोह में उपस्थितजनों को संबोधित करते हुए कहा कि देश की सीमाओं पर तैनात हमारे जवान विषम परिस्थितियों में भी तिरंगे की शान बनाए हुए हैं और उनके त्याग व समर्पण के कारण ही हम सभी खुली हवा में सांस ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि देश की स्वतंत्रता के लिए हुए आंदोलनों में क्रांतिकारियों का अहम योगदान रहा है।

कैबिनेट मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने आतंकवाद के खिलाफ कड़ा और निर्णायक रुख अपनाया है।

जिला कल्याण केंद्र के विद्यार्थी रहे प्रथम

स्वतंत्रता दिवस समारोह में जिला कल्याण केंद्र के विद्यार्थियों ने मिक्स पैरोडी प्रस्तुत की। इन्हें सांस्कृतिक कार्यक्रमों में प्रथम स्थान मिला। दूसरे स्थान पर जीजीएसएसएस सुशीला भवन और तीसरे स्थान पर सिद्धार्थ इंटरनेशनल स्कूल की टीम रही। इनके अतिरिक्त डीएवी पुलिस पब्लिक स्कूल, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय पटेल नगर, पीएम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय गंगवा तथा राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों ने भी देशभक्ति से ओत-प्रोत रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। उप-पुलिस अधीक्षक श्रद्धा सिंह के नेतृत्व में मार्च पास्ट करने वाली टुकड़ियों में प्रथम स्थान पर हरियाणा सशस्त्र पुलिस, द्वितीय स्थान पर एएसआई सुमन के नेतृत्व में प्लाटून जिला पुलिस (महिला वर्ग) तथा एनसीसी एयर विंग की टुकड़ी तीसरे स्थान पर रही। समापन अवसर पर उपायुक्त अनीश यादव ने मुख्यातिथि कृष्ण कुमार बेदी को स्मृति चिन्ह भेंट किया।

यह रहे उपस्थित

समारोह में मेयर प्रवीण पोपली, उपायुक्त अनीश यादव, पुलिस अधीक्षक शशांक कुमार सावन, सीसीएचएयू के कुलपति प्रो. बीआर कंबोज, अतिरिक्त उपायुक्त सी जयाश्रद्घा, एसडीएम ज्योति मित्तल, अतिरिक्त निगमायुक्त शालिनी चेतल, हिसार जिलाध्यक्ष डॉ आशा खेदड़, हांसी जिलाध्यक्ष अशोक सैनी, धर्मबीर रतेरिया, संजीव रेवड़ी सहित अनेक गणमान्य नागरिक, बड़ी संख्या में सैनिक, विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं शिक्षण संस्थाओं के प्राध्यापक एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

मां भारती के असंख्य वीरों ने अपने प्राणों का बलिदान देकर देश को दिलाई आजादी: भयाना

हांसी। उपमंडल स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह का आयोजन राजकीय महाविद्यालय में किया गया। समारोह में विधायक विनोद भयाना मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत कर ध्वजारोहण किया और परेड की सलामी ली। इससे पूर्व उन्होंने शहीद स्मारक पर श्रद्धांजलि अर्पित की और डॉ भीमराव अंबेडकर व शहीद भगत सिंह पार्क में शहीदों की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण किया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक अमित यशवर्धन, एसडीएम राजेश खोथ तथा क्षेत्र के अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने भी शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर मुख्य अतिथि विनोद भयाना ने उपमंडल वासियों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज करोड़ों भारतीयों की भावनाओं का दिन है, मां भारती के असंख्य वीरों ने अपने प्राणों का बलिदान देकर देश को आजादी दिलाई। इस अवसर पर नगर परिषद अध्यक्ष प्रवीण इलाहाबादी, राजपाल यादव, साहिल व अंशुल भयाना, दिनेश भूटानी, सहित अनेकों गणमान्य व्यक्ति तथा प्रशासनिक अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

नारनौंद। भाजपा कार्यालय पर ध्वजारोहण करते हुए भाजपा नेता अजय सिंधु व अन्य।

ऑपरेशन सिंदूर ने दिखा दिया देश का जलवा : अजय सिंधु

हरिभूमि न्यूज ⏭नारनौंद

- भाजपा नेता अजय सिंधु ने पार्टी कार्यालय पर किया ध्वजारोहण

स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में भाजपा कार्यालय नारनौंद में भाजपा नेता अजय सिंधू के नेतृत्व में ध्वजारोहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। गर्व और उत्साह के साथ ध्वजारोहण हुए देशभक्ति और राष्ट्रीय एकता का संदेश दिया गया। भाजपा नेता सिंधु ने बताया कि चारों मंडलों में तिरंगा यात्रा का सफल आयोजन किया गया। तिरंगा यात्रा निकालकर संदेश दिया कि हमें उन शहीदों और सेना के जवानों को हमेशा याद रखना चाहिए जिनकी वजह से आज हम खुली हवा में सांस ले रहे हैं। स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष में पार्टी कार्यालय पर ध्वजारोहण किया है। वही कार्यकर्ताओं को संदेश दिया है कि वह पार्टी को मजबूत करने के लिए पार्टी की नीतियों को घर-घर तक पहुंचाने का काम करें। ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से हमारे सेना के जवानों ने हमारे विरोधियों को यह दिखा दिया है कि आज हम किसी भी क्षेत्र में काम नहीं है। हमारी तरफ कोई भी आंख उठाकर नहीं देख सकता। अगर किसी ने हिम्मत की तो उसे घर में घुसकर उसकी औकात दिखाने का काम किया जाएगा। यह सब देश के प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में संभव हो पाया।

यह रहे मौजूद

इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष महाबीर श्योराण, सोनू सैनी, कर्णपाल दुहन, सुनील बैरागी, डॉ. ईश्वर बडाला, अमरजीत लोहान, शमशेर नम्बरदार, ब्लॉक समिति चेयरमैन कुलदीप कोहाड़,, कुलदीप गौतम, नीलम जांगड़ा, सुरेश एमसी, पप्पू सिहाग, राममेहर स्वामी, जयपाल कोहाड़, चांदी मान, राजेंद्र दुहन, नरेश सैनी, रसीला, अशोक गोस्वामी आदि मौजूद थे।

स्वामी विवेकानंद स्मारक समिति ने मनाया स्वतंत्रता दिवस समारोह

हिसार। स्वामी विवेकानंद स्मारक समिति, हिसार द्वारा शुक्रवार को भारत के 79वें स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में ध्वजारोहण के साथ एक भव्य समारोह का आयोजन किया। स्वामी विवेकानंद भवन में आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रयत्न एनजीओ के संचालक अनिल कसाना ने की। मुख्य वक्ता के रूप में सेवानिवृत्त प्राचार्य, प्रोफेसर रमेश आर्य ने स्वतंत्रता के ऐतिहासिक महत्व को बताया। मौके पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से विभाग संघचालक पवन जिंदल, जिला संघचालक भूपेंद्र कुमार, सह जिला संघचालक मोहित बंसल, राहुल अग्रवाल आदि मौजूद रहे।

बरवाला में हिसार विधायक सावित्री जिंदल ने किया ध्वजारोहण

हरिभूमि न्यूज ⏭बरवाला

बरवाला। परेड का निरीक्षण करती मुख्य अतिथि विधायक सावित्री जिंदल, साथ हैं एसडीएम डॉ. वेद प्रकाश। फोटो: हरिभूमि

उपमंडल स्तर पर स्वतंत्रता दिवस समारोह राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय नहर कोठी के प्रांगण में आयोजित किया गया 1 स्वतंत्रता दिवस समारोह की मुख्य अतिथि विधायक हिसार सावित्री जिंदल ने ध्वजारोहण किया एवं भव्य परेड की सलामी ली 1 आजादी आंदोलन के वीर स्वतंत्रता सेनानियों, देशभक्तो के बलिदान एवं साहस को याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि दी।

मुख्य अतिथि विधायक सावित्री जिंदल ने सभी से आह्वान किया कि आज हम अपने देशभक्त पूर्वजों से प्रेरणा लेकर देश के नवनिर्माण में अपना अमूल्य योगदान दें 1 मुख्य अतिथि विधायक सावित्री जिंदल एवं एसडीएम डॉ. वेद प्रकाश बेनीवाल ने स्वतंत्रता सेनानी परिवारों को शाल एवं चादर से सम्मानित किया। स्वतंत्रता दिवस समारोह में भव्य परेड एवं रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

नारनौंद में विधायक रणधीर पनिहार ने किया ध्वजारोहण

नारनौंद। उपमंडल में 79वां स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। उपमंडल स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह का आयोजन स्थानीय अनाज मंडी परिसर में किया गया। इसमें विधायक रणधीर पनिहार मुख्य अतिथि रहे। उन्होंने ध्वजारोहण किया और परेड की सलामी ली। इस अवसर पर एसडीएम विकास यादव, डीएसपी देवेंद्र नैन, भाजपा जिला महामंत्री बिजेंद्र लोहान व अनेक गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे। स्वतंत्रता दिवस समारोह में स्वतंत्रता सेनानियों, लोकतंत्र सेनानियों व उनके परिजनों तथा विभिन्न क्षेत्रों में सराहनीय कार्य करने वाले समाजसेवियों तथा कर्मियों को सम्मानित किया। समारोह में विभिन्न विद्यालय की टीमों द्वारा देशभक्ति की भावना पर आधारित सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी।

आनंद स्कूल फॉर एक्सीलेंस में मनाया स्वतंत्रता दिवस

- आनंद यादव ने राष्ट्रीय ध्वज फहराकर एवं राष्ट्रीय गान के साथ समारोह का शुभारंभ किया

हरिभूमि न्यूज ⏭हांसी

आनंद स्कूल फॉर एक्सीलेंस में 79वां स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ स्कूल प्रबंधन समिति चेयरमैन आनंद यादव द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराकर एवं राष्ट्रीय गान के साथ समारोह का शुभारंभ किया गया। इस अवसर आनंद यादव ने स्वतंत्रता का महत्व बताते हुए राष्ट्रहित में सदैव समर्पित रहने का संदेश दिया। इस अवसर स्कूल चेयरमैन आनंद यादव, सचिव कुलदीप यादव, निदेशक साहिल यादव, प्रिंसिपल नितीश मिश्र व स्टाफ के साथ हर्षोल्लास व उत्साह के साथ स्वतंत्रता दिवस मनाया।

हांसी। विद्यालय प्रांगण में ध्वजारोहण करते स्कूल चेयरमैन आनंद यादव व अन्य।

देश के शहीदों के कारण आज हम आजाद भारत में ले रहे सुख की सांस: गर्ग

हिसार। अग्रोहा धाम में 79वां स्वतंत्रता दिवस बड़ी धूमधाम से मनाया बनाया गथा। अग्रोहा धाम वैश्य समाज के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष व हरियाणा प्रदेश व्यापार मंडल के प्रांतीय अध्यक्ष बजरंग गर्ग ने राष्ट्रीय ध्वज फहराकर स्वतंत्रता संग्राम के वीर सपूतों को श्रद्धांजलि अर्पित की। बजरंग गर्ग ने कहा कि देश के लाखों वीर जवानों ने अपनी जान की कुर्बानी देकर भारत देश को आजाद करवाया। इस अवसर पर पवन गर्ग, संदीप कुमार, ऋषि राज गर्ग, अनन्त अग्रवाल, निरजन गोयल, ईश्वर सेठ, रवि सिंगल, महेश अग्रवाल मथुरा, लक्ष्मण गर्ग, ओमप्रकाश अग्रवाल, बलराज गोयल, रोशन बंसल, देवी नन्द कंसल, सुभाष जिन्दल आदि ने अपने विचार रखें।

आरपीएस पब्लिक स्कूल में हर्षोल्लास से मनाया स्वतंत्रता दिवस

हांसी। आरपीएस स्कूल में 79वां स्वतंत्रता दिवस बड़े हर्षोल्लास और देशभक्ति की भावना के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ स्कूल समिति के प्रबंधक संदीप देशवाल द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराकर एवं राष्ट्रीय गान के साथ किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के छात्रों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए, बच्चों ने स्वतंत्रता सेनानियों को याद करते हुए उनके बलिदान को नमन किया। वहीं राजकीय महाविद्यालय में आयोजित उपमंडल स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह में आरपीएस पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत किए कार्यक्रम से प्रसन्न होकर विधायक विनोद भयाना ने विद्यार्थियों को पुरस्कार व 3100 की राशि प्रदान कर सम्मानित किया।

आरपीएस स्कूल में मनाया जन्माष्टमी महोत्सव

हांसी। आरपीएस पब्लिक स्कूल में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व हर्षोल्लास एवं धार्मिक श्रद्धा के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय को सुंदर फूलों, झाकियों एवं रंगोलियों से सजाया गया। इस कार्यक्रम के अंतर्गत सर्वप्रथम विद्यालय के संचालक डॉ संदीप देसवाल व मुख्याध्यापिका पूजा राणा ने माखन चोर के दर्शन किए और झूला झूला कर उनका स्वागत किया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन व श्रीकृष्ण वंदना के साथ किया गया। उन्होंने श्रीकृष्ण की लीलाओं, रासलीला, गोवर्धन पूजा, मटकी फोड़, कालिया नाग वध व द्रोपदी चीरहरण को नृत्य व नाटक के माध्यम से दर्शाया। विद्यालय संचालक संदीप देसवाल ने सभी को जन्माष्टमी की बधाई दी।

श्री काली देवी विद्या मंदिर में श्री कृष्ण जन्मोत्सव पर काटा केक

हांसी। श्री काली देवी विद्या मंदिर में जन्माष्टमी का पर्व उत्साह और भक्ति भाव के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ नर्सरी कक्षा के नन्हे-मुन्ने विद्यार्थियों द्वारा श्रीकृष्ण जन्म एवं उनकी मधुर बाल लीला से हुआ, जिसमें कान्हा जी का कारावास में जन्म, यमुना पार करना, नंदबाबा के यहां आगमन, विश्व रूप दर्शन और माखन चुराने आदि लीला की भावमयी प्रस्तुति विशेष आकर्षण का केंद्र रही। कक्षा केजी से 12वीं कक्षा तक के विद्यार्थियों ने काव्य-पाठ, विचार अभिव्यक्ति, भजन एवं नृत्य के माध्यम से श्रीकृष्ण के जीवन और उपदेशों का संदेश देते हुए पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया।

श्री सनातन धर्म कन्या विद्यालय में मनाया स्वाधीनता दिवस

हांसी। श्री सनातन धर्म कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में 79वां स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में विद्यालय संरक्षक सनातन धर्म कन्या महाविद्यालय, अध्यक्ष हरियाणा गोशाला हांसी, अध्यक्ष एसडी एजुकेशन सोसायटी के प्रधान सज्जन कुमार अग्रवाल ने मुख्यातिथि के शिरकत की ध्वजारोहण कर समारोह का शुभारंभ किया। समारोह में सत्र 2024-25 की बोर्ड कक्षाओं 10वीं व 12वीं की वार्षिक परीक्षाओं में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली विद्यालय की छात्राओं को स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर एचएसएससी सदस्य सचिन जैन, प्रबंधक रजत कुमार अग्रवाल, महामंत्री नकुल कुमार अग्रवाल, पूर्व मंत्री अतर सिंह सैनी, विजय जैन, प्राचार्या रेणु बंसल व स्टाफ मौजूद रहा।

महान संत स्वामी राजेन्द्रानंद का हृदय गति रुकने से निधन

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

स्वामी राजेंद्रानंद महाराज (फाइल फोटो)

- कुलदीप बिश्नोई के निर्देश पर बिश्नोई सभा ने स्थगित किए सभी कार्यक्रम

गुरु जम्भेश्वर भगवान के आदर्शों, बिश्नोई समाज के 29 नियमों एवं गौ सेवा में अपना पूरा जीवन लगाने वाले महान संत स्वामी राजेन्द्रानंद जी महाराज का शुक्रवार को हृदयगति रूकने से आक्समिक निधन हो गया। उनके निधन पर भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व सांसद कुलदीप बिश्नोई सहित अनेक गणमान्य लोगों ने गहरा शोक व्यक्त किया है। कुलदीप बिश्नोई ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए लिखा कि 'गौ ऋषि स्वामी राजेन्द्रानंद जी महाराज के अकस्मात हृदय गति रुकने से देवलोक गमन की सूचना अत्यंत ही पीड़ादायक, उनके समस्त अनुयायियों के लिए तथा मेरे लिए निजी तौर पर अपूर्णीय क्षति है, जिसकी भरपाई असंभव है। बिश्नोई सभा के प्रधान जगदीश कड़वासरा ने बताया कि स्वामी राजेन्द्रानंद महाराज के निधन के उपरांत बिश्नोई सभा के संरक्षक बिश्नोई रत्न कुलदीप बिश्नोई के निर्देशानुसार बिश्नोई सभा हिसार द्वारा आयोजित किए जाने वाले गुरू जम्भेश्वर भगवान के 575वें अवतार दिवस एवं जन्माष्टमी समारोह को स्थगित कर दिया गया।

डीएसपी ने रिबन काट किया प्रतियोगिता का शुभारंभ

सीबीएसई नार्थ जोन के शूटिंग गेम्स शुरू

- प्रतियोगिता का आयोजन 16 से 22 अगस्त तक किया जाएगा
- चार प्रदेशों के 200 से अधिक विद्यालयों के खिलाड़ी लेंगे भाग

हरिभूमि न्यूज ⏭हांसी

सिसाय रोड़ स्थित हिंदू सीनियर सेकेंडरी में शनिवार को सीबीएसई नार्थ जोन शुटिंग गेम्स का शुभारंभ हुआ। शूटिंग गेम्स का शुभारंभ डीएसपी विनोद शंकर ने किया। प्रतियोगिता में पंजाब, हरियाणा, जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश सहित उत्तर भारत के विभिन्न राज्यों से आए 200 से अधिक विद्यालयों के प्रतिभाशाली खिलाड़ी हिस्सा लेंगे और अपनी निशानेबाजी का प्रदर्शन करेंगे। स्कूल प्रिंसिपल अनिल कुमार ने बताया कि सीबीएसई नार्थ जोन शूटिंग प्रतियोगिता का आयोजन 16 से 22 अगस्त तक किया जाएगा।

इसमें विभिन्न आयु वर्ग और कैटेगरी के मुकाबलों का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस आयोजन से न केवल प्रतिभागी छात्रों को राष्ट्रीय स्तर पर अपना हुनर दिखाने का मौका मिलेगा, बल्कि यह हांसी शहर की खेल जगत में पहचान को भी और मजबूत करेगा।

हांसी। रिबन काट कर शुटिंग प्रतियोगिता का शुभारंभ करते डीएसपी विनोद शंकर उनके साथ हैं स्कूल प्राचार्य अनिल कुमार व अन्य। फोटो: हरिभूमि

हार-जीत से ऊपर उठकर खेल की भावना से खेले खिलाड़ी: डीएसपी

प्रतियोगिता का शुभारंभ करने के उपरांत खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए डीएसपी विनोद शंकर ने कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं न सिर्फ खिलाड़ियों की प्रतिभा को मंच देती हैं, बल्कि उन्हें राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आगे बढ़ने का मौका भी प्रदान करती हैं। वहीं समारोह स्थल पर खिलाड़ियों और दर्शकों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला।

हरिभूमि रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक, रविवार 17 अगस्त 2025

ना करें किसी से तुलना
आप स्वयं हैं अनमोल

कई लोग हमेशा दूसरों से अपनी तुलना करते रहते हैं और खुद को कमतर आंकते हैं। ऐसे लोग न जीवन में बड़ी उपलब्धियां हासिल कर पाते हैं और न ही खुश-संतुष्ट रहते हैं। अगर आप भी ऐसा सोचते हैं तो आपको अपना नजरिया बदलना होगा। ऐसा कैसे कर सकते हैं, जानिए।

कवर स्टोरी
शिखर चंद जैन

कई लोग यह सोचकर हमेशा परेशान और दुखी रहते हैं कि वे दुनिया से पिछड़ गए। ऐसा अकसर वही लोग करते हैं, जिन्हें यह आभास नहीं कि हम ईश्वर की अनमोल कृति हैं। प्रकृति ने हमें अतुलनीय गुण दिए हैं। दुनिया का कोई भी सजीव दूसरे सजीव से हूबहू मेल नहीं खा सकता।

तुलना है निरर्थक

इस बात को समझ लेना जरूरी है कि आप इस ब्रह्मांड में अपने जैसे अकेले ही हैं। इसलिए दूसरों से तुलना करना या उनके जैसा बनने की कोशिश करना व्यर्थ की मशक्कत है। इसमें अपना समय, श्रम, धन और ऊर्जा का अपव्यय करने की बजाय स्वयं को निरंतर निखारने के जतन करें। आम का स्वाद या आकार केले जैसा हो या अमरूद का स्वाद संतरे जैसा हो तो क्या आप इसे कभी सच्चे मन से स्वीकार कर पाएंगे? आप करेले को उसकी कड़वाहट के साथ उसके गुणों के कारण ही तो स्वीकार करते है।

एक तरह का भ्रम है परफेक्शन

परफेक्शन यानी संपूर्णता एक ऐसी भावना है, जो हमें निरंतर परेशान करती है। लेकिन इसे कभी प्राप्त नहीं किया जा सकता, क्योंकि जिस पल आप स्वयं को किसी भी मायने में पूर्ण करते हैं, वह अगले ही पल बदली हुई परिस्थितियों और समय के कारण अपूर्ण या पुरातन हो जाता है। संसार में बुराई, दुख और अपूर्णता अपरिहार्य हैं। दुख ऐसी भावना है, जो हर व्यक्ति के जीवन में किसी न किसी रूप में अनुभव होती ही है। अपूर्णता जीवन की मूलभूत सच्चाई है, जो हमें सिखाती है कि कुछ भी पूर्ण नहीं होता। बुराई और कमियां इस संसार में अंतर्निहित हैं। लेकिन धार्मिकता, पवित्रता और सरलता जैसे गुणों को विकसित करके उच्च अवस्था प्राप्त की जा सकती है। इस प्रक्रिया में अच्छे गुणों को प्राप्त और विकसित करके हम स्वयं को सुखी बना सकते हैं।

जीवन के अंग अच्छा-बुरा

हमारे व्यक्तित्व और जीवन में अच्छाई के साथ-साथ बुराई भी मौजूद होती है। किंतु हमें उन बुराइयों को पहचान कर उन पर विजय प्राप्त करने का प्रयास करना चाहिए। जीवन को संवारने के लिए हमें मूर्तिकार की तरह काम करना पड़ता है, जो अपनी मूर्ति बनाने के लिए पत्थर को काटता है, अनुपयोगी या अतिरिक्त पत्थर को छांटकर, छीलकर, रगड़ कर, घिसकर उसे एक सुंदर आकार देता है। हम चाहे जितनी किताबें पढ़ लें और चाहे जितने ज्ञानी हो जाएं, लेकिन यह ज्ञान अगर हमारे जीवन में नहीं उतरता है, उसे प्रभावित, निर्देशित या निर्धारित नहीं करता है तो यह सब बेकार है।

भावनाओं पर नियंत्रण जरूरी

कई बार आप अचानक इधर-उधर की बातें सोचकर, किसी की सफलता, समृद्धि या सुख को देखकर विचलित या दुखी हो जाते होंगे। स्वयं को कोसते हुए एक अनजान अपराधबोध से घिर जाते होंगे। ऐसी स्थिति से बचने के लिए अपनी भावनाओं पर बारीकी से नजर रखिए। आपकी विवेकशीलता ही इस भावनात्मक प्रभाव को रोक सकती है। यह क्षमता आपको स्वयं हासिल करनी होती है। जब आप दुखी करने वाली भावनाओं को पहचानना सीख लेते हैं तो खुश होने के

असर बढ़ने लगते हैं। आप तनाव और गुस्से में हों तो सोचिए कि इसकी मूल वजह क्या है? इसके पीछे कौन-सी चीज, व्यक्ति या स्थिति है? फिर यह विचार कीजिए कि वह क्या चीज है, जो आपको दूसरों से अलग बनाती है? यह ताकत आपको अनावश्यक गुस्से से बचाएगी और कोई वाजिब कारण है तो उसे दूर करने का मौका देगी।

करते रहें आत्मविश्लेषण

इस बात से ज्यादा फर्क नहीं पड़ना चाहिए कि लोग आपके कितने खिलाफ हैं या कितने लोग आपके समर्थन में हैं? आपको अपने आपको दृढ़ रखते हुए सही दिशा में कार्य करना होगा। आपको स्वयं से पूछना होगा कि मैं क्या हासिल करना चाहता हूं और उसके लिए क्या कर रहा हूं? जो कर रहा हूं, उसमें क्या त्रुटियां हैं, जिन्हें दूर करना है? बस फिर आपको सभी बाहरी चिंताओं से छुटकारा मिल जाएगा।

अतीत जैसा है आज का दौर

तुलना चाहे जैसी भी क्यों ना हो, व्यर्थ और निरर्थक ही होती है। चाहे वह व्यक्ति के संबंध में हो या समय और परिस्थिति के संबंध में हो। कुछ लोगों को अकसर यही सोचकर दुखी और परेशान होते देखा जा सकता है कि पुराना जमाना बहुत अच्छा था। उनका मानना रहता है कि उस समय के लोग और परिस्थितियां अच्छी थीं, तब चीजें सस्ती होती थीं, लोग मिलनसार और सहयोगी थे, लूटपाट, चोरी और डकैती नहीं होती थी। यह एक गलतफहमी है कि दुनिया कभी बहुत अच्छी थी। जिस समय के लिए आप यह सब सोचते हैं, उस समय के लोग भी यही सब सोचते थे कि उनसे पहले की दुनिया अच्छी होती थी। आप किसी भी युग का इतिहास या साहित्य पढ़ लीजिए, उस समय के अत्याचारी राजा महाराजा, बादशाह, सेठ साहूकारों के लूट और शोषण के किस्से, गरीबी का आलम और महंगाई की दास्तान पढ़ने को मिल जाएगी। लुटेरे, धोखेबाज, अपराधी, लालची मित्र, कंजूस मालिक और ईर्ष्यालु रिश्तेदार या पड़ोसी हर जमाने में रहे हैं। भगवान राम का जमाना हो या श्री कृष्ण का, हरिश्चंद्र का जमाना हो या मुगल बादशाह अकबर या फिर ब्रिटिश काल, हर युग में खलनायक हुए हैं। हमारा मन ही कुछ ऐसा है, जो हमेशा बीते हुए कल में या दूसरों में परफेक्शन और सुख ढूंढता है। दुनिया में हर समय मुट्ठी भर लोग ही बहुत अच्छे और मुट्ठी भर लोग ही बहुत बुरे हुए हैं। बाकी के लोग तो हमारी और आपकी तरह सामान्य इंसान रहे हैं। इन दुश्चिंताओं, उलझनों और बेचैनी से बचने का सिर्फ एक ही रास्ता है, तुलना न करके अपने मन-जीवन का ध्यान खुद रखना।

सबसे जरूरी रखें धीरज

बचपन से माता-पिता और गुरु हमेशा एक ही बात सिखाते रहे हैं, धैर्य रखना और मन को शांत रखना। याद करिए, बचपन में आप परीक्षा देने जाते थे तो मां या पिताजी यही कहते थे, पेपर ठीक से पढ़ना। कठिन लगे तो घबराना मत। बार-बार प्रश्न पढ़ना। प्रश्न समझ में आए तो उत्तर लिखना। यही मुश्किल परिस्थितियों से निपटने का अचूक फार्मूला है। आपको अपना मन शांत करने के लिए खुद पर निर्भर रहना है ना कि दूसरों पर।

परिवर्तन को स्वीकार करें

आपको अपने जीवन की जिम्मेदारी खुद ही लेनी होगी। जीवन सहज परिवर्तनों की एक श्रंखला है। इन परिवर्तनों को सहज भाव से स्वीकार करें। इनका विरोध करने या इनसे पलायन करने पर सिर्फ दुख ही महसूस होता है। वास्तविकता को स्वाभाविक समझकर अपने जीवन की रणनीति तैयार करें। परिवर्तनों के लिए किसी भी व्यक्ति या किस्मत को दोष न दें। इसके लिए आपको हर रोज कुछ पल अपने साथ बिताने होंगे। एकांत में चिंतन करना होगा। *

नेचर है पावरफुल मेंटल हीलर

यह सच है कि आज की आधुनिक जीवनशैली में लोग तकनीक के जाल में उलझकर, नेचर से दूर होते जा रहे हैं। इसी वजह से लोग मेंटल प्रॉब्लम्स की गिरफ्त में आ रहे हैं। इनसे मुक्ति पाने के लिए हमें नेचर के करीब जाना होगा।

लाइफस्टाइल
बुशरा फातमा

आस-पास फैली हरियाली, नदी, समंदर, झरने न सिर्फ देखने में सुंदर लगते हैं बल्कि ये हमारे मन को हील करने में भी मददगार साबित होते हैं। आज दुनिया जिस सोशल मीडिया के जाल में फंसती जा रही है, उस वजह से हर दूसरा इंसान अकेलेपन से जूझ रहा है। यह कितनी बड़ी विडंबना है कि एक तरफ टेक्नोलॉजी हमें चांद तक पहुंचा रही है, दूसरी तरफ हमारे पास एक अदद कोई अपना नहीं, जिससे हम अपने मन की बात कह सकें। आभासी दुनिया में भले ही ढेरों फ्रेंड्स हों लेकिन वास्तव में कोई ऐसा दोस्त नहीं मिलता, जिसे

हम अपना कह सकें। देश-दुनिया में डिप्रेशन के मामले और इसकी वजह से आत्महत्याएं इतनी ज्यादा बढ़ती जा रही हैं कि हेल्थ एक्सपर्ट्स डिप्रेशन को एक महामारी मानने लगे हैं।

नेचर की ओर करें रुख

हेल्थ और फिटनेस कंसल्टेशन के लिए डब्लूआईबीए अवार्ड विनर प्रमिला ओल्सन मुंबई की सेटल्ड लाइफ छोड़कर नीलगिरि की पहाड़ियों में आशियाना बनाकर रहने लगीं। दरअसल, शोर-शराबा, दौड़-भाग और तकनीक पर अत्यधिक निर्भरता से एक तरह का मानसिक दबाव महसूस होने लगता है, जिसकी वजह से प्रमिला को लगा कि अगर जिंदगी को बेहतर बनाना है तो प्रकृति के करीब रहना बहुत जरूरी है। लेकिन अब हर इंसान इतना बड़ा निर्णय तो नहीं ले सकता कि वो एक सेटल्ड लाइफस्टाइल को बदल ले, इसलिए अगर आपके आस-पास एक पार्क भी है तो दिन का थोड़ा वक्त वहां जरूर बिताइए। प्रामिला बताती हैं कि आजकल के डिजिटलाइजेशन के युग में लोग बहुत अकेले हो गए हैं और उन्हें कोई एक चीज बचा सकती है तो वो है प्रकृति।

मेंटल हेल्थ के लिए जरूरी

आज के दौर में लोगों पर बढ़ता वर्कलोड और बढ़ता तनाव, इस बात का इशारा कर रहा है कि अगर जीवन को बेहतर बनाना है तो प्रकृति के करीब जाना बहुत जरूरी है। खासतौर पर वर्कप्लेस का स्ट्रेस युवाओं को डिप्रेशन की तरफ ले जा रहा है। यही वजह है कि आजकल बहुत से लोग अच्छी-खासी जॉब छोड़ कर किसी पहाड़ी या समंदर के किनारे वाली जगह शिफ्ट हो रहे हैं। वास्तव में नेचर में एक हीलिंग पावर होती है। इसलिए बेहतर मेंटल हेल्थ के लिए नेचर से कनेक्टेड रहना बहुत जरूरी है। नेचर हमें फ्रेश, एनर्जेटिक और मेंटली हेल्दी बनाती है।

मिलता है सुकून-शांति

जीवन की भाग-दौड़ में अगर कोई चीज हम से छिन गई है तो वो है हमारा सुकून। प्रकृति के पास जाकर थोड़ा समय बिताने से हमें खुद को जानने-समझने का मौका मिलता है। वरना मोबाइल, इंटरनेट और सोशल मीडिया के युग में हम खुद के अस्तित्व को भूलते जा रहे हैं। प्रकृति हमारा मन शांत करती है और हम जीवन को नए नजरिए से देख पाते हैं।

गार्डनिंग से मिलती है तनाव से मुक्ति

अगर आपके पास समय का अभाव है तो नेचर के करीब जाने की शुरुआत अपने घर के गार्डन से कीजिए। नए-नए फूलों वाले पौधे लगाइए। किचेन के लिए कुछ हर्ब्स उगाइए। ये छोटी-छोटी आदतें हमें तनाव से बचाने में मदद करती है। भले ही ये शौकिया हों लेकिन इतनी देर आप प्रकृति से जुड़े रहेंगे, जो बिना किसी दवा और डॉक्टर के आपके स्ट्रेस को कम कर देगा।

नेचर के करीब करें वर्कआउट

जिम जाकर ट्रेडमिल पर भागने से अच्छा है, वर्कआउट के लिए किसी खुले और पेड़-पौधों से घिरे जगह का चुनाव करें। कानों में हेडफोन लगा कर

दौड़ना भले ही फैशन हो लेकिन अगर आप रनिंग या जॉगिंग कर रहे हैं तो प्रकृति को सुनने का प्रयास कीजिए। ये हमें मानसिक रिलैक्सेशन देता है। आज हम सब जिस तरह के आक्रामक और अशांत मानसिकता के बनते जा रहे हैं, वहां सिर्फ प्रकृति के पास ही वो पावर है, जो हमें शांत-चित्त रख सकती है। *

कविता
विक्रम सिंह

मछलियां और हम

मछलियां जमीं पर
नहीं लेती सांस
और हम,
नभ के नीचे
घुटने को अभिशप्त हैं।
जंगलों की लाश पर
उठते हैं हमारे महल,
हर ईंट में कैद है,
एक सूखी सांस।
एक वक्त आएगा...
जब हवाएं भी पराई होंगी,
और हम
मछलियों की तरह,
अपनी ही धरती पर
मुरझा जाएंगे।

व्यंग्य / यशोधरा भटनागर

आज के युग में बिन पेंदे का लोटा होना कोई दोष नहीं, बल्कि गुण बन गया है। स्थिर रहो तो मूर्ख कहे जाते हो, पलट जाओ तो चतुर और बार-बार पलटो तो स्मार्ट। अब विचार नहीं बदलते, सिर्फ हैशटैग बदलते हैं। 'बिन पेंदी का लोटा' होना अब रणनीति है।

लुढ़कते लोटे

साफ-सफाई के दौरान कुछ पुराने बर्तनों में पीतल का लोटा हाथ आ गया। मैंने उसे नीचे रखा तो यहां-वहां लुढ़कने लगा। उसे तो अपनी बनावट के कारण लुढ़कना ही था, लेकिन हमें हिंदी की कक्षा में पढ़ाया गया मुहावरा जरूर याद दिला गया, 'बिन पेंदी का लोटा।'

याद आया स्कूल में तो यह भी दूसरे मुहावरों जैसे ही रट लिया था जैसे 'गले का हार होना' या 'चिकना घड़ा होना', परंतु आज हमारे अंदर बैठे लेखक नामक जीव ने गूढ़ार्थ में गोते लगाने के लिए मजबूर कर दिया।

डुबकियां लगाते-लगाते ज्ञान प्राप्त हुआ कि आज के समय में बिन पेंदे का लोटा कोई मुहावरा नहीं, बल्कि खरपतवार की तरह फलती-फूलती एक प्रजाति है, जो राजनीति में, टीवी डिबेट में, व्हाट्सएप यूनिवर्सिटी में और मोहल्ले की चौपाल से लेकर सोशल मीडिया की टाइमलाइन तक हर जगह मौजूद है।

पहले यह गुण नेताओं ने अपनाया। कहा जाता 'वो नेता बिन पेंदे का लोटा है, कब किस दल में चला जाए, कहा नहीं जा सकता।'

गौर कीजिए एक नेता का वार्तालाप-

'मैं नैतिकता के आधार पर पार्टी छोड़ रहा हूं।'

'क्यों नेता जी?'

'इस पार्टी में नैतिकता बची ही कहां है भैया, इसीलिए।'

'तो किस पार्टी में जाओगे?'

'जहां मंत्री पद मिलेगा, वहीं नैतिकता भी मिल जाएगी।'

नेता अगर पत्ता भी तोड़ता है, तो पहले हवा का रुख देखता है। गिरेगा तो उसी दिशा में, जहां ट्रेंडिंग हो। कल तक जो पार्टी उनकी निगाहों में 'गुलाम मानसिकता' की थी, आज वहां जाकर बोलते हैं, 'मैं राष्ट्रसेवा के लिए आया हूं।'

आजकल नैतिकता के जी.पी.एस. विहीन लोटों की कमी नहीं है। अब ये लोटे केवल राजनीति में ही नहीं, सोशल मीडिया पर भी हैं। ये लोटे अब केवल पानी नहीं ढोते, ये व्यूज, लाइक्स और ब्रांड डील्स भी ढोते हैं। ये बिन पेंदी के लोटे डूबते-उतराते रीलों की लहर पर खूब बह रहे हैं।

एक गुरुजी ने पहले कहा, 'हम नई पीढ़ी को आलोचनात्मक चिंतन सिखाएंगे।'

जब बच्चे सरकार से सवाल करने लगे तो गुरु जी बोले, 'नालायक बन गए हैं, संस्कृति खत्म कर दी।'

अब वही गुरुजी पेड वेबिनार में 'नेशनलिज्म और योगा' पढ़ा रहे हैं, क्योंकि वही ट्रेंडिंग है। इन्हीं के चलते नैतिकता अब कूपन कोड बन गई है, मौके पर डालो, डिस्काउंट मिल जाएगा।

जब हम मीडिया के लोटे का पेंदा ढूंढ़ने लगे तो ढूंढ़ते रह गए। पहले कहते थे 'हम सत्ता की आंख में आंख डाल कर सच बोलेंगे।' अब सच को आंख-मिचौली का खेल बना दिया है।

आम जनता विलाप करती है, 'महंगाई हमें रुला रही है।'

रिपोर्टर पूछती है, 'लेकिन एक्ट्रेस की ड्रेस पर आपका क्या कहना है?'

बेरोजगार युवा कहते हैं, 'हमें नौकरी चाहिए।'

रिपोर्टर कहती है, 'एक बाबा ने जल में से निकाली सोने की मछली।'

गरीब गिड़गिड़ाता है, 'हमें राशन चाहिए साहब।'

रिपोर्टर उत्साहित होकर बताती है, 'देखिए, मंत्री जी की पोती ने गाया ऐसा मार्मिक देशभक्ति गीत, देश हुआ गौरवान्वित।'

महिला घबराकर कहती है, 'सड़क पर रोशनी नहीं है, डर लगता है।'

रिपोर्टर कहती है, 'देखिए, किस सेलिब्रिटी ने खरीदी तीन करोड़ की कार!'

एक समय था, जब कहा जाता था 'व्यक्ति को बिना पेंदे का लोटा नहीं होना चाहिए। बर्तन बड़ा या छोटा हो पर पेंदे वाला हो।' लेकिन आजकल हर कोई सोचता है, 'अगर लोटा बनेंगे, तो बहाव में चलेंगे। और बहाव वहीं है, जहां पावर है।'

अगर महाभारत आज लिखा जाता, तो शकुनि अपने भांजे दुर्योधन से कहता, 'मैं पांडवों का स्थायी दुश्मन नहीं हूं, राजनीतिक परिस्थितियां बदल रही हैं। फिलहाल सोशल मीडिया पर पांचों पांडव ज्यादा ट्रेंड कर रहे हैं, तो मैं भी उनकी तरफ चला जाता हूं।'

आज के युग में बिन पेंदे का लोटा होना कोई दोष नहीं, बल्कि गुण बन गया है। स्थिर रहो तो मूर्ख कहे जाते हो, पलट जाओ तो चतुर और बार-बार पलटो तो स्मार्ट। अब विचार नहीं बदलते, सिर्फ हैशटैग बदलते हैं।

'बिन पेंदी का लोटा' होना अब रणनीति है। सिर्फ एक चीज स्थिर है और वो है अस्थिरता। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

उद्भ्रांत का बहुविध रचनाकर्म

करीब डेढ़ सौ पुस्तकों के रचनाकार उद्भ्रांत का रचना संसार बहुत विस्तृत है। उनके रचनाकर्म के विभिन्न आयामों पर अनेक आलोचकों के द्वारा लिखे गए लेखों की पुस्तक 'उद्भ्रांत का रचनाकर्म' कुछ समय पूर्व कैलाश बाजपेयी के संपादन में प्रकाशित होकर आई है। इसके पहले खंड में 19 आलोचनात्मक लेख हैं, जबकि दूसरे खंड में हरभजन सिंह मेहरोत्रा द्वारा उद्भ्रांत पर लिखा गया संस्मरण और शहंशाह आलम द्वारा लिया गया उद्भ्रांत का साक्षात्कार भी संकलित है। उद्भ्रांत की प्रसिद्ध रचना 'रुद्रावतार' पर डॉक्टर आनंद सिंह लिखते हैं, 'उद्भ्रांत की विशेषता यह मानी जानी चाहिए कि उन्होंने आधुनिक कविता के गद्याभासी समकालीन समय में मिथकाभासी छांदस कविता रचकर संश्लिष्ट सर्जनाशक्ति का परिचय दिया है, जो आजकल विलुप्त हो गई प्रवृत्ति है।'

शहंशाह आलम के द्वारा पूछे गए एक सवाल पर उद्भ्रांत का यह कथन उनकी लेखकीय प्रतिबद्धता को प्रकट करता है, 'हर कवि अपनी कविता का मुहावरा स्वयं खोजता है।' कह सकते हैं कि यह किताब उद्भ्रांत के रचनाकर्म को समझने का रास्ता मुहैया कराती है। *

पुस्तक: उद्भ्रांत का रचनाकर्म (आलोचना),
संपादक: कैलाश बाजपेयी, **मूल्य:** 245 रुपए,
प्रकाशक: नमन प्रकाशन, नई दिल्ली

बहुत अनोखा-सांस्कृतिक पर्व मिजोरम का मिम कुट उत्सव

भारत के उत्तरपूर्वी राज्य मिजोरम में मनाया जाने वाला मिम कुट उत्सव वैसे तो फसल कटाई का उत्सव है, लेकिन इस उत्सव में लोग अपने समुदाय के दिवंगत हुए लोगों को भी याद करते हैं। अनोखे और उल्लासपूर्ण ढंग से मनाए जाने वाले मिम कुट उत्सव के बारे में जानिए।

सांस्कृतिक उत्सव / धीरज बसाक

भारत के उत्तर-पूर्वी राज्य मिजोरम में हर्षोल्लास से मनाया जाने वाला मिम कुट उत्सव, यहां की आत्मा में बसा पर्व है। यह पर्व मिजोरमवासियों को पूर्वजों की स्मृति के उल्लास से सामूहिक रूप में जोड़ता है। इस उत्सव में वे न केवल प्रकृति के प्रति आभार व्यक्त करते हैं बल्कि अपनी सामाजिक चेतना, सांस्कृतिक गरिमा और मानवीय संबंधों की जीवंतता का भी उल्लास मनाते हैं। यह पर्व हमें संदेश देता है कि जब पूरा समाज मिलकर पूर्वजों की याद में हंसता, गाता है, तो ऐसा समाज अतीत को उत्सव के रूप में मनाता है।

सांस्कृतिक आत्मा में बसा उत्सव: वास्तव में भारत के पूर्वी राज्य मिजोरम की सांस्कृतिक आत्मा में यहां का मिम कुट उत्सव रचा-बसा है। मिम कुट उत्सव कहने को तो एक फसल पर्व है, लेकिन इसमें जीवन के उल्लासपूर्ण दर्शन का पूरा आख्यान छिपा है। वास्तव में मिजो भाषा में मिम का मतलब होता है मकई यानी मक्का और कुट का मतलब होता है त्योहार, यानी मिम कुट उत्सव प्रत्यक्ष रूप में मकई की बेहतर फसल का उत्सव है। यह उत्सव मकई की भरपूर फसल होने के खुशी में मनाया जाता है। लेकिन मकई तो कृषि जीवन का एक प्रतीक भर है। यह वास्तव में परिवार के पूर्वजों की स्मृति का उत्सव और स्मृति के शोक को उल्लास में बदलने का ढंग है।

उल्लास से करते हैं पूर्वजों को याद : मिम कुट उत्सव में परिवार के उन सभी बुजुर्गों/पूर्वजों को याद किया जाता है, जिनका उस साल या अतीत में निधन हुआ है। लेकिन यह दिवंगत बुजुर्गों को शोक संतप्त ढंग से याद करने का उत्सव नहीं है बल्कि ढोल की थाप में पूर्वजों की स्मृति को साझा करने का पर्व है। यह पर्व बहुत ही आनंद और उत्साह के साथ मनाया जाता है।

कैसे मनाया जाता है उत्सव: यह पर्व पारंपरिक लेकिन उत्साहपूर्ण ढंग से मनाया जाता है, जिसमें पहले पक चुकी मक्का की बालियों को भूनकर गांव भर के पूर्वजों और देवी देवताओं की आत्माओं को समर्पित किया जाता है। इसके बाद गांव भर के लोग सामूहिक रूप से एकत्रित होते हैं। परंपरागत वेशभूषा में पुरुष और महिलाएं मिलकर चेराओ नृत्य करते हैं। यह नृत्य स्थानीय ढोल, गोंग और बांसुरी के साझा संगीत में संपन्न होते हैं। इस समारोह में पारंपरिक भोज और पेय की विशेष व्यवस्था होती है। खास करके 'जू' नाम की चावल से बना एक विशेष पारंपरिक पेय, इस भोज और उत्सव की खास पहचान होती है। यह पेय पूरे गांव के लोगों के बीच सामूहिक रूप से बांटा जाता है। इस पेय के साथ खाए जाने वाले तरह-तरह के पकवान भी पूरे गांव के लोग मिलकर बनाते हैं या इनकी व्यवस्था करते हैं।

इस बार कब मनाया जाएगा उत्सव

मिम कुट उत्सव हर साल अगस्त माह के अंत या सितंबर के पहले सप्ताह में मनाया जाता है। स्थानीय मान्यताओं के मुताबिक इस साल 1 से 3 सितंबर 2025 के बीच यह उत्सव मनाया जाएगा। गौरतलब है कि मिजोरम में स्थानीय चंद्र पंचांग का चलन है, जो कि फसल की स्थिति और सामूहिक सहमति पर निर्भर होता है। इसलिए अंग्रेजी कैलेंडर की तारीखों से यह आगे पीछे भी हो सकता है।

जब पूरे गांव के सभी बड़े, बुजुर्ग और बच्चे खाने-पीने और संगीत की मस्ती में झूम रहे होते हैं, तब युवा लोग अपनी तीरंदाजी और दूसरे खेल कौशलों, कुश्ती का प्रदर्शन करते हैं।

सामूहिकता में सामाजिकता की झलक: मिम कुट उत्सव की सबसे बड़ी विशेषता इसकी सामूहिकता है। इसमें किसी जाति, वर्ग, उम्र, लिंग के लोगों का कोई भेद नहीं रहता। सब लोग एक साथ मिलकर यह उत्सव मनाते हैं। इससे सामूहिकता मजबूत होती है और सामाजिकता को भरपूर सम्मान मिलता है। इस उत्सव में जो भी लोग अपने-अपने घरों से लाते हैं, वह सामूहिक रूप से एक जगह इकट्ठा कर लिया जाता है। फिर इन तमाम चीजों का लोग मिलकर भरपूर आनंद लेते हैं। कोई नहीं जानता कि वह किसकी क्या चीज का आनंद ले रहा है। इसके साथ ही गांव के सभी लोग मिल कर नृत्य करते हैं। मिलकर भोजन तैयार करते हैं और मिलकर इस सबका आनंद लेते हैं।

पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र: मिजोरम का मिम कुट उत्सव केवल एक पारंपरिक पर्व भर नहीं है बल्कि यह एक ऐसा सांस्कृतिक उत्सव बन चुका है, जो पर्यटकों और संस्कृति प्रेमियों को खूब आकर्षित करता है। देश-विदेश से आए पर्यटक मिजो संस्कृति, खान-पान, वेशभूषा और पारंपरिक जीवनशैली से परिचित होते हैं। इस पर्व के दौरान पर्यटकों के पास स्थानीय लोगों की हस्तशिल्प और दस्तकारी की कई अद्भुत चीजों को नजदीक से देखने और खरीदने का मौका मिलता है। पर्यटक स्थानीय लोगों के साथ मिलकर उनकी ही जैसी पोशाक पहनकर, उनके ही जैसे लोकनृत्य करने की कोशिश करते हैं और इसका भरपूर आनंद लेते हैं। इस उत्सव में भाग लेने से पर्यटकों को प्रामाणिक जनजातीय अनुभव होते हैं। मिजोरम टूरिज्म विभाग अब इस उत्सव को अपने अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन कैलेंडर में भी प्रमोट कर रहा है।

ग्लोबलाइजेशन के दौर में मिम कुट महोत्सव: ग्लोबलाइजेशन के इस दौर में दुनियाभर की संस्कृतियां एक-दूसरे से मेलजोल कर रही हैं, एक-दूसरे को जान-पहचान रही हैं। ऐसे समय में मिजो संस्कृति अपनी उदारता और खुलेपन के कारण दुनिया भर को आकर्षित कर रही है। मिम कुट उत्सव बताता है कि अगर आपके अंदर अपनी संस्कृति, अपनी पहचान धड़कती है, तो वैश्वीकरण की धुंध आपको प्रभावित नहीं कर सकती। आपकी अपनी चमक और धमक दोनों ही बनी रहती हैं। मिम कुट उत्सव जैसे पर्व इस वैश्विक समाज में अपनी शानदार सांस्कृतिक सहभागिता का उत्कृष्ट उदाहरण है। मिम कुट उत्सव जहां एक ओर स्थानीय मिजोवासियों को दुनिया के साथ मेल-जोल बढ़ाने का मौका देता है, वहीं दूसरी ओर यह उत्सव दुनिया के लिए मिजो संस्कृति की खिड़की खोलता है। *

पहली जॉब के लिए जरूरी हैं ये तैयारियां

अपनी पढ़ाई पूरी करने के बाद हर यंगस्टर अच्छी जॉब चाहता है, ताकि उसका करियर ब्राइट बन सके। लेकिन इसके लिए आपको कुछ तैयारियां जरूर करनी चाहिए और खुद में कुछ स्किल्स भी डेवलप करनी चाहिए। इनके बारे में जानिए।

सेल्फ इंप्रूवमेंट

शिखर चंद जैन

पहली जॉब शुरू करना किसी भी युवा के लिए एक यादगार और महत्वपूर्ण कदम होता है। यह न केवल एक नई जिम्मेदारी का प्रतीक है, बल्कि यह एक ऐसा अवसर भी है, जिसका सही उपयोग करके आप पेशेवर दुनिया में अपनी पहचान बना सकते हैं और आगे चलकर अपने करियर को नई ऊंचाइयों तक ले जा सकते हैं। लेकिन इस क्षेत्र में सफलता पाने के लिए कुछ आदतों और तैयारियों की आवश्यकता होती है। इन तैयारियों और आदतों को अपनाकर आप न केवल जल्दी और अच्छा जॉब पा सकते हैं, बल्कि अपने करियर की मजबूत शुरुआत भी कर सकते हैं।

प्रोफेशनल रिज्यूमे-कवर लेटर: एक संक्षिप्त, आकर्षक और जॉब के लिए अनुकूलित रिज्यूमे बनाएं। अपनी उपलब्धियों को हाइलाइट करें। प्रत्येक जॉब आवेदन के लिए कवर लेटर को कस्टमाइज करें, जिसमें कंपनी और रोल के प्रति आपका उत्साह दिखे। रिज्यूमे में ऐसे कीवर्ड्स का उपयोग करें जो जॉब डिस्क्रिप्शन से मेल खाते हों। इंटरव्यू की समुचित तैयारी करें। सामान्य इंटरव्यू सवालों की प्रैक्टिस करें। कंपनी और जॉब रोल के बारे में रिसर्च करें। मॉक इंटरव्यू के लिए दोस्तों या मेंटर्स की मदद लें।

अनुशासन-समय प्रबंधन: कॉरपोरेट जगत में समय का सही प्रबंधन सबसे महत्वपूर्ण है। समय पर काम पूरा करना, मीटिंग्स में समय पर पहुंचना और डेडलाइंस का पालन करना आपके पेशेवर दृष्टिकोण को दर्शाता है। पहली जॉब में प्रवेश करने से पहले, अपनी दिनचर्या को व्यवस्थित करें। एक डायरी या डिजिटल टूल जैसे गूगल कैलेंडर का उपयोग करें, ताकि आप अपने कार्यों को प्राथमिकता दे सकें। एक रुटीन बनाएं, जिसमें जॉब सर्च, स्किल डेवलपमेंट और नेटवर्किंग के लिए समय हो। हर हफ्ते 10-15 जॉब एप्लीकेशंस भेजने का लक्ष्य रखें। सुबह जल्दी उठने की आदत डालें, ताकि आप दिन की शुरुआत तरोताजा और ऊर्जावान तरीके से कर सकें। समय प्रबंधन की यह आदत न केवल आपके काम की गुणवत्ता को बढ़ाएगी, बल्कि आपके सहकर्मियों और बॉस पर भी सकारात्मक प्रभाव डालेगी।

संवाद कौशल: कॉरपोरेट सेक्टर में प्रभावशाली संवाद एक अनिवार्य गुण है। चाहे वह ई-मेल लिखना हो, मीटिंग में अपनी बात रखना हो या सहकर्मियों के साथ विचार-विमर्श करना हो, स्पष्ट और संक्षिप्त बातचीत आपके विचारों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करता है। पहली जॉब के लिए, अपने लिखित और मौखिक कम्युनिकेशन को निखारें। औपचारिक ई-मेल लिखने का अभ्यास करें, अपनी बात को आत्मविश्वास के साथ कहने की कला सीखें और सक्रिय श्रोता बनें। यदि आपकी अंग्रेजी या अन्य संवाद भाषा में कमी है, तो उसे सुधारने के लिए ऑनलाइन कोर्स या प्रैक्टिस सेशन में शामिल हों।

प्रोफेशनल एटीट्यूड: यह स्किल आपके करियर की नींव मजबूत बनाता है। जॉब ज्वाइन करने से पहले, कार्यस्थल के ड्रेस कोड, व्यवहार और संस्कृति को समझने की कोशिश करें। हमेशा पॉजिटिव और प्रॉब्लम सोल्विंग अप्रोच अपनाएं। यदि आपसे कोई गलती होती है, तो उसे स्वीकार करें और उससे सीखें। यह आपके सहकर्मियों और बॉस के बीच आपकी विश्वसनीयता को बढ़ाएगा।

तकनीकी कौशल जरूरी: आज के डिजिटल युग में, तकनीकी कौशल कॉरपोरेट सेक्टर में सफलता के लिए अनिवार्य हैं। अपनी जॉब प्रोफाइल के अनुसार जरूरी सॉफ्टवेयर और टूल्स सीखें। अपनी फील्ड से संबंधित तकनीकी और सॉफ्ट स्किल्स (जैसे कम्युनिकेशन, टाइम मैनेजमेंट, टीमवर्क) सीखें। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स (जैसे कोर्स, एरा, उडेमी, लिंक्डइन लर्निंग) से सर्टिफिकेशन कोर्स करें। प्रोग्रामिंग, डेटा एनालिसिस, डिजिटल मार्केटिंग जैसे ट्रेंडिंग स्किल्स पर फोकस करें, अगर वे आपके क्षेत्र से मेल खाते हों।

आत्मविश्वास-पहल: पहली जॉब में आत्मविश्वास और पहल करने की क्षमता आपको जल्दी सफलता दिला सकती है। अपने विचारों को साझा करने से न डरें और नई जिम्मेदारियां लेने के लिए तैयार रहें। उदाहरण के लिए यदि किसी प्रोजेक्ट में सुधार की गुंजाइश है, तो सुझाव देने में संकोच न करें। हां, आत्मविश्वास और अहंकार के बीच संतुलन बनाए रखें। *

देसी आबोहवा का विदेशी पेड़ हिमालयन मेपल

विशिष्ट पेड़

वीना गौतम

भारत में सड़कों के किनारे यूं तो पारंपरिक रूप से नीम, इमली, पीपल, बरगद, गुलमोहर, अशोक, कचनार आदि के पेड़ लगे देखे जाते हैं। लेकिन हाल के सालों में सड़कों के किनारे, शहर की पॉश कालोनियों, बड़े पार्कों और कई दूसरी जगहों पर एक चौड़ी लाल, पीली और नारंगी पत्तियों वाला पेड़ भी लगाया जाना शुरू हुआ है, जो जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और पूर्वोत्तर के अलग-अलग इलाकों में खासतौर पर देखा जाता है। इसे हिमालयन मेपल या एसर ओब्लोंगम या कश्मीर मेपल या पेंटेड मेपल या ओक भी कहते हैं। सरल शब्दों में यह मेपल का पेड़ है, जिसका मूल निवास यूं तो उत्तरी अमेरिका, यूरोप, उत्तरी अफ्रीका, चीन और एशिया के कुछ देशों में है, लेकिन 132 प्रजातियों वाले सैपिंडेसी परिवार के इस मेपल के पेड़ की कुछ प्रजातियां भारत में भी पाई जाती हैं।

मेपल कनाडा का राष्ट्रीय वृक्ष है, कनाडा के झंडे और राज्य चिन्ह में भी मेपल की पत्तियां देखी जा सकती हैं। मेपल का पेड़ अनुकूल परिस्थितियों में कई सौ सालों तक मजबूती से खड़ा रहता है। मेपल का पेड़ ताकत और सहनशीलता का प्रतीक माना जाता है। सर्दियों में मेपल के पेड़ से एक-एक करके उसकी रंग-बिरंगी सारी पत्तियां झड़ जाती हैं और पेड़ के नीचे चौड़ी और रंगीन पत्तियों का ढेर लग जाता है। पहले यह भारत में सिर्फ हिमालयी क्षेत्र में ही दिखता था, लेकिन अब देश के बड़े शहरों के सौंदर्यीकरण के चलते यह इन शहरों के खूबसूरत पार्कों, पॉश कालोनियों और चौड़ी सड़कों के किनारे भी देखा जाता है।

कई रूपों में उपयोगी: भारत में ज्यादातर पाए जाने वाले हिमालयन मेपल के बड़े फायदे हैं। इसकी लकड़ी, फर्नीचर और निर्माण के कार्य में बहुत उपयोगी साबित होती है। इसकी छाल और पत्तियों का उपयोग पारंपरिक चिकित्सा में किया जाता है। कई मधुमक्खी प्रजातियों को यह बहुत आकर्षित करता है, इसलिए यह शहद उत्पादन में बहुत सहायक होता है, क्योंकि इसकी लाल, पीली पत्तियां इसे बेहद आकर्षक और शानदार पेड़ का दर्जा दिलाती हैं, इसलिए विशेष तौर पर कश्मीर में इसे पार्कों के किनारे बड़े करीने से लगाया जाता है। जापानी मेपल जैसी कुछ प्रजातियों की भी अच्छी कीमत मिलती है। खूबसूरत पर्यटन स्थलों में यह जगहों की शोभा बढ़ाने और पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए भी लगाया जाता है। *

यूजफुल डिवाइस

संध्या सिंह

घर, ऑफिस की सुरक्षा का मामला हो या बैंक, स्कूल की, हर कहीं सब कुछ चुपचाप अपनी नजरों में कैद करता रहता है सीसीटीवी कैमरा। इसकी उपयोगिता बढ़ने की कई वजहें हैं, इनके बारे में आप भी जानना चाहेंगे।

सब पर नजर रखता सीसीटीवी कैमरा

आज के डिजिटल युग में सीसीटीवी कैमरा महज एक तकनीकी उपकरण नहीं, बल्कि एक ऐसी 'तीसरी आंख' बन चुका है, जो हर पल, हर कोने में नजर रखता है- चाहे कोई जानता हो या न जानता हो। यह कैमरा न बोलता है, न टोकता है, लेकिन उसकी नजरें चुपचाप सब कुछ देखती और रिकॉर्ड करती हैं।

सब कुछ देखता चुपचाप: बाजार, स्कूल, दफ्तर, रेलवे स्टेशन, गलियां-हर जगह ये 'तीसरी आंख' मौजूद है। यह न केवल अपराधों को रोकने में मदद करती है, बल्कि न्याय दिलाने में भी एक अहम गवाह बन जाती है। कई बार लोग अपनी हरकतों से अनजान होते हैं कि कोई उन्हें देख रहा है, पर सीसीटीवी की आंख सब कुछ समेट रही होती है। हालांकि जहां यह सुरक्षा का प्रतीक है, वहीं इसे लेकर निजता पर सवाल भी उठते हैं। क्या हर जगह नजर रखना सही है? लेकिन मौजूदा हालात में, यह आंख समाज को सजग और जवाबदेह बनाने में सहायक सिद्ध हो रही है। इस तरह, सीसीटीवी आधुनिक युग की वह अदृश्य शक्ति है, जो बिना बोले भी हर किसी को यह एहसास दिलाती है- कोई देख रहा है। इसीलिए इन दिनों कहते हैं जिंदगी कैमरों की जद में कैद हो गई है। हर पल हर जगह तमाम अदृश्य निगाहें हमें घेरे रहती हैं।

हर शहर में मुस्तैद नजर: राजधानी दिल्ली में मेट्रो स्टेशन की सीढ़ियां चढ़ते ही जिस इबारत पर आपकी पहली नजर पड़ती है, वह एक चेतावनी होती है, 'सावधान आप कैमरे की निगाह में हैं।' बैंक में घुसिए, अस्पताल में प्रवेश करिए, कॉलेज की सीढ़ियां चढ़िए, मंदिर की ड्योढ़ी लांघिए हर जगह आपको इसी पहले वाक्य के इन दिनों दर्शन होते हैं। दिन में ज्यादातर समय कैमरे की जद में रहना अब महज वीवीआईपी लोगों की जिंदगी का सच नहीं है। यह आम महानगरीय लोगों की जिंदगी की कहानी बन चुका है। सिर्फ देश की राजधानी दिल्ली का ही ये हाल नहीं है, मुंबई, कोलकाता, हैदराबाद, चेन्नई, पुणे, बेंगलुरु जैसे तमाम महानगरों और अब तो मझोले और छोटे शहरों की भी यही कहानी बनती जा रही है। लखनऊ, कानपुर, भोपाल, जयपुर, गुवाहाटी, बनारस, अमृतसर सबकी यही कहानी है। क्योंकि जिंदगी का हर पल खतरों, अविश्वास और विश्वासघात से जुड़ गया है।

संभालता सुरक्षा की जिम्मेदारी: कभी लोगों की यादों को सहजने वाला कैमरा, आज लोगों की सुरक्षा का भार संभालता है या कम से कम उसे उसकी बदौलत सुरक्षा का मनोवैज्ञानिक सहारा देता है। कैमरा बिल्कुल नए अवतार में आ चुका है। मोबाइल क्रांति के बाद जब दुनिया की तमाम मशहूर कैमरा बनाने वाली कंपनियां बंद होने के कगार पर पहुंच गईं थीं, तब शायद ही किसी ने सोचा होगा कि बहुत जल्द कैमरे का यह विलक्षण रूप सामने आएगा। आज कैमरे का पर्याय हो गए हैं सीसीटीवी कैमरे। सीसीटीवी कैमरे आज प्रमुख सेफ्टी के टूल की तरह उभरे हैं।

बढ़ता गया प्रचलन: एक जमाना वह भी था, जब सीसीटीवी कैमरों को दुकानदारों की दुकान का चौकीदार भर समझा जाता था। लेकिन जैसे-जैसे वक्त बदला और तकनीक पहले से कई गुना ज्यादा बेहतर हुई जबकि कीमतें पहले से काफी नीचे आईं तो फिर मानो, इनके इस्तेमाल की बहार ही आ गई। घटती कीमतों की वजह से सीसीटीवी कैमरे आम आदमी की पहुंच में आ गए। आज सीसीटीवी कैमरे न केवल सेफ्टी का एक सेंस देते हैं, बल्कि जहां आपकी आंख नहीं पहुंच सकती, वहां तक भी आपको पहुंचाते हैं। *

हिंदी फिल्म जगत के महानतम फिल्मकारों में शुमार गुरुदत्त ने कई क्लासिक फिल्में दीं। गुरुदत्त की शानदार विरासत को उनकी बहू और पोतियां आज भी संभाले हुए हैं। गुरुदत्त के जन्मशती वर्ष पर वे, उनको भावुकता से याद करती हैं। साथ ही उनके जीवन के कुछ महत्वपूर्ण पहलुओं पर एक नजर।

महान फिल्मकार गुरुदत्त की विरासत संभाल रहे परिजन

जन्मशती वर्ष / कैलाश सिंह

महान फिल्मकार और अभिनेता गुरुदत्त का जन्म 9 जुलाई 1925 को बंगलोर (अब बेंगलुरु) में हुआ था। उनके पिता शिवशंकर राव पादुकोण एक स्कूल टीचर थे और मां वसंथी पादुकोण गृहिणी थीं, जो कभी-कभी कहानियां भी लिखा करती थीं। माता-पिता ने उन्हें वसंत कुमार शिवशंकर पादुकोण नाम दिया, लेकिन बाद में उनका नाम बदलकर गुरुदत्त रख दिया गया।

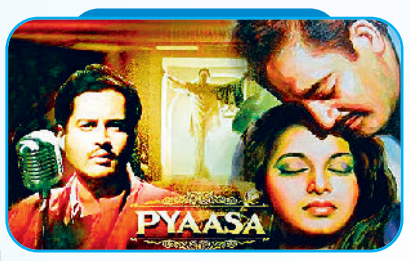

गुरुदत्त के माता-पिता कारवार (कर्नाटक) में रहते थे, लेकिन उन्हें अपना बचपन भवानीपुर (प. बंगाल) में गुजारना पड़ा, जिससे वह बंगाली भी अच्छी बोलने लगे। घर में पैसे की तंगी थी, इसलिए दसवीं के बाद कॉलेज न जा सके। उनके बकुट मामा (बालकिशन बेनेगल, जो श्याम बेनेगल के चाचा और गुरुदत्त की मां के कजिन थे) ने उन्हें उदय शंकर की नृत्य मंडली में शामिल करा दिया। गुरुदत्त ने वहां नृत्य सीखा। कुछ दिन उन्होंने टेलीफोन ऑपरेटर के रूप में भी नौकरी की। लेकिन मन नहीं लगा तो कोलकाता छोड़कर पुणे आ गए जहां प्रभात फिल्म कंपनी में उन्हें नृत्य निर्देशक की नौकरी मिली और फिर जीवन का रुख ही बदल गया।

ऐसे हुई गुरुदत्त-देवानंद की दोस्ती: पुणे में जिस लौंडरी पर गुरुदत्त अपने कपड़े धुलवाते थे, वहीं पर देवानंद के कपड़े भी धुलने आते थे। एक दिन संयोग से दोनों की कमीजें आपस में बदल गईं और दोनों की मुलाकात हुई, जो दोस्ती में बदल गई। गुरुदत्त और देवानंद ने एक-दूसरे से वादा किया, जो भी पहले निर्माता बनेगा, वह दूसरे को अपनी फिल्म में काम देगा। पहले देवानंद निर्माता बन गए और उन्होंने 'बाजी' के निर्देशन की जिम्मेदारी गुरुदत्त को दी और अपना वादा निभाया। इसी तरह जब गुरुदत्त ने 'सीआईडी' बनाई तो देवानंद को उसमें बतौर हीरो कास्ट किया।

गीता दत्त से प्रेम और विवाह: सन 1951 में आई फिल्म 'बाजी' में गीता रॉय ने 'तदबीर से बिगड़ी हुई तकदीर बना ले' गीत गाया था। उनकी मखमली आवाज सुनकर गुरुदत्त अपना दिल दे बैठे। तीन साल तक कोर्टशिप चली और फिर 26 मई 1953 को गीता रॉय ने गुरुदत्त से शादी कर ली। उनके तीन बच्चे हुए- तरुण, अरुण और नीना।

बहू-पोतियां संभाल रही हैं विरासत: गुरुदत्त के पुत्र अरुण के घर में प्रवेश करते ही लिविंग रूम की दीवार पर फिल्म 'प्यासा' (1957) का पोस्टर लगा हुआ दिखता है। दूसरी दीवार पर ब्लैक एंड वाइट फैमिली फोटो टंगा हुआ है, जिसमें गुरुदत्त, उनकी गायिका पत्नी गीता (राय) दत्त और उनके बच्चे हैं। मुंबई के इस घर में गुरुदत्त की मौजूदगी का एहसास हर जगह होता है। यह गुरुदत्त की बहू इफ्फत का घर है, जिसमें वह अपनी दोनों बेटियों करुणा और गौरी के साथ रहती हैं। इफ्फत ने गुरुदत्त के बेटे अरुण दत्त से शादी की थी, जो अब इस दुनिया में नहीं हैं। लेकिन वे अपनी दोनों बेटियों के साथ अपने परिवार की महान सिनेमाई विरासत को संभाले हुए हैं। गुरुदत्त की पोती गौरी बताती हैं, 'जब हम छोटे थे, तो हमें अपने दादा के कार्य से परिचय हमारे पिता ने कराया था। पुणे में शाम को अकसर बिजली गुल हो जाया करती थी और बिजली आने का इंतजार करते हुए डैडी अपने पैरेंट्स के बारे में बातें किया करते थे।'

गुरुदत्त की बहू इफ्फत के साथ करुणा और गौरी

सिने जगत से जुड़ी हैं पोतियां: चूंकि पोतियों का अपने दादा गुरुदत्त की फिल्मों से परिचय किशोरावस्था में ही हो गया था, इसलिए वे उनके कार्य को बेहतर ढंग से समझ सकीं और तटस्थता के साथ उस पर अपनी राय भी कायम कर सकीं। करुणा को 'प्यासा' ने अधिक प्रभावित किया है, लेकिन उन्हें लगता है कि 'मिस्टर एंड मिसेज 55' (1955) को उतनी प्रशंसा नहीं मिली, जितनी कि मिलनी चाहिए थी। गौरी की पसंदीदा फिल्म 'कागज के फूल' (1959) है। जब दोनों बहनें फिल्म प्रोफेशनल के तौर पर काम करने लगीं तो कुछ साल पहले उनका परिवार पुणे से मुंबई शिफ्ट हो गया। करुणा सहायक निर्देशक हैं और गौरी पृथ्वी थिएटर से जुड़ी हुई हैं। दोनों बहनें गुरुदत्त की विरासत को आगे बढ़ाने की इच्छुक हैं और उसी दिशा में कार्य कर रही हैं।

गुरुदत्त की जन्मशताब्दी वर्ष का जश्न: गुरुदत्त की जन्मशती आरंभ हो चुकी है। इस बारे में इफ्फत बताती हैं, 'परिवार के ऐसे अवसरों का हम प्राइवेटली जश्न मनाते हैं। लेकिन हम परिवार की परंपरा का पालन करते हुए अपने दिवंगत सदस्यों के पसंदीदा व्यंजन तैयार करके उन्हें पक्षियों को खिलाते हैं। यह परंपरा अरुण ने शुरू की थी।' गौरी भावुक होकर बताती हैं, 'हालांकि हमारे दादा गुरुदत्त की हमेशा ही हमारे जीवन में प्रभावी मौजूदगी रही है, लेकिन इस साल हम उसे कुछ अधिक ही महसूस कर रही हैं, क्योंकि 9 जुलाई 2025 को अगर वे होते तो सौ बरस के हो गए होते।' *